राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 07, अंक 100 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शुक्रवार 06 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के रोहिणी में पुलिस मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बीती देर रात एक मुठभेड़ के बाद बदमाश को गिरफ्तार किया। यह मुठभेड़ रोहिणी के बेगमपुर थाना क्षेत्र में हुई है। बदमाश की पहचान दीपक के रूप में हुई है, जिसे कुख्यात हिमांशु भाऊ गैंग का सदस्य बताया जा रहा है। यह कई मामलों में वांछित था। इस मुठभेड़ के दौरान बदमाश दीपक के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, बीते दिनों हरियाणा के रोहतक में बदमाशों ने फायरिंग में एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में शामिल आरोपियों की तलाश में स्पेशल सेल की टीम लगातार जुटी थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक संदिग्ध रोहिणी में देखा गया है। इसके बाद इंस्पेक्टर संदीप डबास के नेतृत्व में स्पेशल सेल की टीम की ओर से रोहिणी इलाके में जाल बिछाया गया। दीपक जैसे ही रोहिणी इलाके में पहुंचा, पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। वह रुकने के बजाय भागने लगा और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई।

केशव प्रसाद बोले-पहले देश है, बाद में पार्टी

लखनऊ। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है वाले बयान पर बयानबाजी तेज हो गई है। हालांकि, सलमान खुर्शीद को उनके बयान के लिए भाजपा नेताओं का समर्थन मिला है। यूपी के डिप्टी सीएम और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने उनके बयान को सही ठहराया और कहा कि खड़गे और राहुल गांधी को समझना चाहिए कि पहले देश है। यूपी के डिप्टी सीएम ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर सलमान खुर्शीद ने ऐसा कहा है, तो वह धन्यवाद के पात्र हैं। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य कांग्रेस नेता जो पाकिस्तान का पक्ष लेते दिखते हैं। उन्हें भी उनकी (सलमान खुर्शीद) बातें सुननी चाहिए कि देश पहले आता है, व्यक्ति या राजनीतिक दल नहीं। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने जिस तरह से दुनिया भर में जाकर भारत का पक्ष रखा है।

छत्तीसगढ़ में फोर्स को बड़ी सफलता

एनकाउंटर में मारा एक करोड़ का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर सुधाकर

जगदलपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबल को फिर बड़ी कामयाबी मिली है। जिले नेशनल पार्क इलाके में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में नक्सली लीडर सेंट्रल कमेटी (सीसी) के मेंबर नरसिम्हाचलम उर्फगौतम उर्फसुधाकर के मारे जाने की खबर है। वह छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र का मोस्ट वांटेड था। सुधाकर पर तीनों राज्यों को मिलाकर लगभग एक करोड़ रुपये का इनाम था। इससे पहले नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में नक्सल संगठन के महासचिव बसवा राजू की मौत हुई थी। उस पर छत्तीसगढ़ में डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में सुधाकर के मारे जाने की पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने की है।मुठभेढ़ में मारा गया सुधाकर नक्सलियों के शिक्षा विभाग का इंचार्ज था। वह आंधप्रदेश के चिंतापालुदी ग्राम का रहने वाला था और बीते तीन दशकों से नक्सल गतिविधियों में सक्रिय था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक केंद्रीय समिति सदस्य गौतम उर्फसुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव सहित कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को एंटी नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था। अबूझमाड़ क्षेत्र के अंदरूनी इलाकों में भी जवानों ने सुबह से ही नक्सलियों की घेराबंदी शुरू कर दी थी। जवान लगातार इलाके की सर्चिंग कर रहे हैं। मारे गए नक्सलियों

की संख्या भी बढ़ सकती है। मौके से एक ऑटोमेटिक राइफल बरामद किया गया है। छत्तीसगढ़ के अति नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया के जंगलों में सुरक्षा बल के जवानों ने एक माओवादी को मार गिराया है और मौके से एक ऑटोमेटिक राइफल बरामद किया है। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ने की भी संभावना जताई जा रही है। पुलिस को नक्सलियों के जमावड़े की सूचना मिली थी, जिसके बाद ऑपरेशन लांच किया गया है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड , कोबरा और एसटीएफ के जवान लगातार नक्सलवाद के खिलाफ सर्चिंग ऑपरेशन कर माओवादियों का खात्मा कर रहे हैं। दोनों ओर से रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। वहीं मुठभेड़ पर बस्तर आईजी सुंदरराज पी, पुलिस डीआइजी कमलोचन कश्यप, डीआईजी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल समेत अन्य पुलिस के अफसर मुठभेड़ पर नजर बनाए हुए हैं। 29 मई को बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने का आखिरी मौका देते हुए बड़ा बयान दिया था। आईजी ने साफशब्दों में कहा था कि चाहे सोनू हो, हिडमा हो, सुजाता हो या रामचंद्र रेड्डी या कोई भी डिविजन कमेटी मेंबर या बड़े कैडर का लीडर, अगर अपनी जान बचाना चाहता हैं ।

ये हथियार हुए बरामद

तलाशी अभियान के दौरान एक नग एके-47, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किए गए हैं। वर्ष 2024-2025 में अब तक बस्तर रेंज में 403 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मुठभेड़ स्थल से भागे हुए अन्य माओवादी कैडरों की तलाश के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। माओवादियों के बड़े कैडर तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडर्स के जमा होने की सूचना पर संयुक्त फोर्स नक्सल आपरेशन पर निकली थी। इसमें डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान पर भेजा गया था। गुरुवार सुबह में बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके के घने जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने रचाई शादी

मोइत्रा ने 15 साल बड़े पिनाकी मिश्रा को बनाया जीवन साथी

नई दिल्ली/एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने खुद से 15 साल बड़े बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, कृष्णानगर से दो बार की लोकसभा सांसद ने ओडिशा के पुरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अनुभवी सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी की है। सोशल मीडिया पर वायरल एक तस्वीर में महुआ मोइत्रा पारंपरिक पोशाक और सोने के आभूषणों से सजी हुई दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ने 3 मई को विदेश में शादी की। 12 अक्तूबर, 1974 को असम में जन्मी

महुआ मोइत्रा ने एक निवेश बैंकर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। बाद में 2010 में महुआ ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने 2019 में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतीं। महुआ 2024 में फिर से चुनी गईं। पिनाकी मिश्रा का जन्म 23 अक्तूबर, 1959 को ओडिशा के पुरी में हुआ था। वह एक अनुभवी राजनीतिज्ञ और वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उन्होंने सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) और दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी की डिग्री भी प्राप्त की है। पिनाकी ने 1996 में पुरी लोकसभा सीट जीतकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ अपना राजनीतिक करियर शुरू किया। बाद में वे नवीन पटनायक की बीजू जनता दल में शामिल हो गए और 2009, 2014 और 2019 में जीत हासिल की। पिनाकी ने 1984 में संगीता मिश्रा से शादी की थी।

ट्राले और कार के बीच भीषण भिड़ंत 9 लोगों की मौत

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में देर रात भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा थांदला-मेघनगर मार्ग पर संजेली रेलवे फाटक के पास निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास एक मोड़ पर हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्राले और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा रात करीब 2:00 बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में सवार सभी 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में आठ लोग थांदला के पास स्थित शिवगढ़ महुदा गांव के निवासी थे, जबकि एक अन्य मृतक पास के ही एक गांव का बताया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास पर लगाया सिंदूर का पौधा.....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बृहपस्पतिवार को अपने आवास पर सिंदूर का एक पौधा लगाया जो उन्हें 1971 के युद्ध के दौरान उल्लेखनीय साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने भेंट किया था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इस ऑपरेशन के मद्देनजर इस पौधे को लगाने का विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल

मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नयी दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री ने इन महिलाओं से वादा किया था कि वह अपने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर यह पौधा लगाएंगे। मोदी ने कहा, ''यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए थे। जिसके बाद पाकिस्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया।

नीतीश पर भड़के राहुल गांधी

न्याय नहीं.....सिर्फ़ सत्ता की राजनीति का प्रतीक

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने वाले एक डॉक्टर की बेरहमी से पिटाई की कथित घटना को लेकर गुरुवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की और कहा कि अपराध, बेरोजगारी और पलायन राज्य की सत्तारूढ़ सरकार की असली पहचान बन गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि बिहार में जेडी(यू)-बीजेपी सरकार सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन गई है और अन्याय के इस चक्र को तोड़ने और राज्य को सुरक्षा, स्वाभिमान और गरिमा के रास्ते पर आगे ले जाने का समय

आ गया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोज़गारी और पलायन यही नीतीश-बीजेपी सरकार की असली पहचान बन चुकी है।

घणसोली बस डिपो में भीषण आग से दो बसें जलकर हुईं खाक

मुंबई। नवी मुंबई के घणसोली बस डिपो में सुबह एक भीषण आग की घटना में दो बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में एक इलेक्ट्रिक और एक डीजल बस को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना डिपो में मरम्मत के लिए खड़ी इलेक्ट्रिक बस में अचानक आग लगने से हुई है। आग इतनी तेजी से फैली कि पास खड़ी डीजल बस भी इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में दोनों बसें पूरी तरह नष्ट हो गईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस में मरम्मत का कार्य चल रहा था, जिसके लिए उसे डिपो में रखा गया था। आग लगने का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों का मानना है ।

राफेल के पुर्जे पहले से ही बनाता है टाटा

मेक इन इंडिया को नई उड़ान,पहली बार फ्रांस से बाहर टाटा और डसॉल्ट बनाएंगे राफेल विमान....

नई दिल्ली। राफेल फ्रेंच भाषा का शब्द है इसका शाब्दिक अर्थ है हवा का तेज झोंका। लेकिन पाकिस्तान व उसके वजीर-ए-आला के लिए इसका अर्थ है डर का तेज झोंका। भारत की रक्षा ताकत और आत्मनिर्भरता का बड़ा बूस्ट उसे मिला है। फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन और भारत की टाटा एडवांस सिस्टम के बीच बड़ा समझौता हुआ है। जिसके तहत हैदराबाद में राफेल लड़ाकू विमान के फ्यूजलास का निर्माण होगा। ये पहली बार होगा जब राफेल का फ्यूजलास फ्रांस के बाहर भारत में बनेगा। इस फैसले को भारत की एयरोस्पेस एंडस्ट्री में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। आपको बता दें साल 2028 से हर महीने दो फ्यूजलास तैयार होंगे। ये समझौता मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन को नई उड़ान देने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि

भारत में जो ये पाट्र्स बनेंगे उसे दूसरे देशों में भी सप्लाई किया जाएगा। एयरक्राफ्ट फ्यूजलाज हवाई जहाज का मुख्य ढांचा या शरीर होता है, जो विमान का सबसे बड़ा और अहम हिस्सा है। आसान भाषा में कहें तो ये हवाई जहाज का वो हिस्सा है, जिसमें बाकी सारे हिस्से (जैसे पंख, पूंछ, इंजन) जोड़े जाते हैं। ये विमान को उसका आकार देता है और बाकी हिस्सों को एक साथ जोड़कर रखता है। सुपरसोनिक फाइटर जेट का फ्यूजलाज पतला और चिकना होता है, ताकि तेज रफ्तार से उड़ते वक्त हवा का रेजिस्टेंस कम हो। फाइटर जेट में कॉकपिट फ्यूजलाज के ऊपरी हिस्से पर होता है। टाटा ग्रप पहले से ही डसॉल्ट के साथ मिलकर राफेल और मिराज 2000 जैसे विमानों के पुर्जे बनाता है। टाटा एडवांस्ड के सिस्टम्स सीईओ सुकरन सिंह का कहना है कि ये साझेदारी भारत के एयरोस्पेस एक्सपीरियंस में एक बड़ा स्टेप है। भारत में राफेल की पूरी मेन बॉडी बनाना दिखाता है कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की काबिलियत पर कितना भरोसा बढ़ रहा है। सुकरन सिंह ने कहा कि डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारा रिश्ता कितना मजबूत है। डसॉल्ट एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने इस बात पर जोर दिया कि यह साझेदारी भारत में हमारी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में एक निर्णायक कदमहै।

चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास हुई भगदड़ से संबंधित मामले की सुनवाई

2.5 लाख लोग फ्री एंट्री सोचकर आए,कर्नाटक सरकार ने कोर्ट को बताया,अब 10 को सुनवाई

बंगलूरू। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास हुई भगदड़ से संबंधित मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि हमने महाधिवक्ता के समक्ष अपनी बात रखी है। उन्होंने एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है, जिसे रिकॉर्ड में लिया गया है। रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि इस स्वत: संज्ञान को स्वत: संज्ञान रिट याचिका के रूप में पंजीकृत किया जाए। कोर्ट ने 10 जून, मंगलवार को याचिका को फिर से सूचीबद्ध करने के कहा।सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि हम सबसे पहले यह अनुरोध करना चाहेंगे कि कोई दोषारोपण न हो। हम केवल तथ्यों को उसी रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं, जैसा कि वे घटित हुए थे। हम कोई प्रतिकूल दृष्टिकोण नहीं अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया था।

स्टेडियम की क्षमता 35,000 है। आमतौर पर केवल 30,000 टिकट ही बिकते हैं। इस बार लगभग 2.5 लाख लोग यह सोचकर आए कि प्रवेश नि:शुल्क है।सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) शशि किरण शेट्टी ने बताया कि समारोह में नि:शुल्क प्रवेश की घोषणा के कारण भारी भीड़ उमड़ी, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले को विरोधात्मक तरीके से देखने का इरादा नहीं रखती है, बल्कि यह समझने का प्रयास कर रही है कि चूक कहां हुई ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियां न दोहराई जाएं। महाधिवक्ता ने बताया कि पूरे शहर में सुरक्षा बल तैनात थे, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर स्थिति अनियंत्रित हो गई। हर व्यक्ति यह सोच रहा था कि बस वह एक और अंदर जा रहा है, जबकि असल में वहां भारी जनसैलाब था। कोर्ट ने कहा कि ऐसे बड़े सार्वजनिक आयोजनों के लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं एसओपी होनी चाहिए। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि ऐसी जगहों पर एम्बुलेंस और निकटवर्ती अस्पतालों की जानकारी स्पष्ट होनी चाहिए।

ट्रंप के गिड़गिड़ाने पर माने जिनपिंग

दोनों के मध्य टैरिफ पर तकरार के बीच हुई बात

नई दिल्ल। टैरिफवार्ता के ठप होने से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई है। इस बातचीत की रिपोर्ट चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने दी। खबर लिखे जाने तक व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। यह बातचीत बढ़ते तनाव के बीच हुई है। ट्रंप ने बीजिंग पर पिछले महीने जिनेवा में हुए टैरिफ रोलबैक समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। जिसपर पलटवार करते हुए बीजिंग ने दावा किया था कि वाशिंगटन ने

झूठे आरोप लगाए हैं और चीन पर आम सहमति का उल्लंघन करने का अनुचित आरोप लगाया है। व्यापार तनाव में अस्थायी कमी के साथ, चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफको 90 दिनों के लिए 125त्न से घटाकर 10त्न कर दिया, जबकि अमेरिका ने चीनी आयात पर अपने टैरिफ को 145त्न से घटाकर 30त्न करने का प्रस्ताव रखा।

संक्षिप्त समाचार

डाक विभाग ने पर्यावरण दिवस पर लोगों को किया जागरूक

भिलाई(समय दर्शन)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दुर्ग डाक संभाग द्वारा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु पर्यावरण जागरूकता रैली मुख्य डाकघर सिविक सेंटर से निकाली गई । इसके पश्चात मुख्य डाकघर स्थित सहयोग वाटिका में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक दुर्ग संभाग बी.एल. जांगड़े, सहायक अधीक्षक नितिन गोस्वामी एवं श्रीमती सीमा श्रीवास्तव तथा आई.पी.पी.बी. मैनेजर संतोष मटिया साथ ही दुर्ग डाक संभाग के 150 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रवर अधीक्षक डाकघर श्री जांगड़े द्वारा कर्मचारियों से अपील की गई कि पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिकाधिक वृक्षारोपण कर उनका देखभाल करें ।

जिला प्रशासन पर दबाव बनाने की नीयत से हो रही दंडवत यात्रा

बिलासपुर (समय दर्शन)। मई माह में पशु चिकित्सालय की जमीन पर बेज कब्जा कर संचालित हो रही गौ सेवा धाम के संचालक ने पांच सूत्री ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। पहली मांग ही इशारा करती है कि संचालकों का खेल कुछ और है। उन्हें शासन से 6 एकड़ जमीन चाहिए। अन्य मांगे एक डॉक्टर तबादला जिससे आम नगरिकों कोई समस्या नहीं है। पर गौ सेवकों को है। अस्पताल 24 घंटे खुले गौ सेवा के लिए एनजीओ को पांच एंबुलेंस चाहिए जबकि शासन डायल 1962 के तहत पशुधन संवर्धन के लिए एंबुलेंस संचालित करती है। जब जिला प्रशासन और विभाग ने दबाव अस्वीकार कर दिया तो एनजीओ संचालक दंडवत यात्रा निकाले। इनकी एक और मांग खेती करने वालों को भी संकट में डालती है। ज्ञापन में जिले और बाहर संचालित पशु बाजारों को बंद करने की मांग ऐसा लगता हैं कि गौ सेवा के नाम पर पहले राजनीति और अब नौटंकी यह सड़क पर तब भी देखी गई जब पुलिस प्रशासन ने यात्रा संचालकों को बताया कि उनकी रैली को अनुमति प्रप्त नहीं है। पूरा मामला अस्पताल परिसर में संचालित बेजा कब्जा वाले गौशाला को वैध करने और उसे आधार पर बड़ा भूखंड पाने का है।

नितेश भारद्वाज पुन: बने महामंत्री, चंद्रहास गोस्वामी को मिली नई जिम्मेदारी, भाजपा मुंगेली ग्रामीण मंडल की कार्यकारिणी की घोषणा

मुंगेली(समय दर्शन) भारतीय जनता पार्टी, जिला मुंगेली द्वारा भाजपा मुंगेली ग्रामीण मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजीव श्रीवास ने नितेश भारद्वाज को एक बार फिर महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि चंद्रहास गोस्वामी को सह महामंत्री पद की नई जिम्मेदारी दी गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने विधायक पुन्नूलाल मोहले, भाजपा जिलाध्यक्ष दीनानाथ केसरवानी और मंडल अध्यक्ष राजीव श्रीवास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। उनका लक्ष्य संगठन को और अधिक मजबूत व जनसंपर्क से परिपूर्ण बनाना है। नितेश भारद्वाज पार्टी में लंबा समय से सक्रिय राजनीतिक अनुभव रहा है। वे पूर्व में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तथा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष पद पर अपनी भूमिका निभा चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे भाजपा के सदस्यता अभियान में भी महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। नितेश भारद्वाज ने पूर्व में विधानसभा चुनाव के लिए दावेदारी भी की थी और वर्तमान में वे मुंगेली विधानसभा क्षेत्र में युवाओं के बीच अत्यंत लोकप्रिय और एक उभरते हुए नेता के रूप में जाने जाते हैं। भाजपा की यह नई कार्यकारिणी संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देने की दृष्टि से एक अहम कदम माना जा रहा है, जिससे आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना किया जा सकेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में वृक्षारोपण किया गया

सरायपाली (समय दर्शन)। जीवन हो रहा है कम, आओ पेड़ लगायें हम के नारों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकासखंड सरायपाली के विभिन्न विद्यालयों में वृक्षारोपण किया गया। एसडीएम श्रीमती नम्रता चौबे (आई.ए.एस.) ने पीएमश्री विद्यालय झिलमिला में पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पीएमश्री विद्यालय में फ्लदार एवं छायादार पौधे रोपित किया गया। पर्यावरण संतुलन के लिए पेड़ पौधों, वन एवं जल की भूमिका महत्वपूर्ण हैं ।

पी.एम.श्री शासकीय प्राथमिक शाला झिलमिला संकुल बालसी विकासखंड सरायपाली में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अन्तर्गत स्कूल परिसर में पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण के सन्देश को जीवंत बनाने की दिशा मे सबको प्रेरित किया गया ।

क्लीन - ग्रीन,ईको फ्रेंडली विद्यालय बनाने,स्कूल के परिवेश को सुन्दर हरा-भरा बनाने आयोजित इस पौधरोपण कार्यक्रम में उपाध्यक्ष,नगर पालिका परिषद् सरायपाली हेमंत प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष परीक्षित बारीक,अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) सरायपाली नम्रता चौबे (आई.ए.एस.),अतिरिक्त तहसीलदार सरायपाली मनीषा देवांगन,विकासखंड शिक्षा अधिकारी सरायपाली प्रकाशचंद्र मांझी, विकासखंड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक (समग्र शिक्षा) सतीश स्वरुप पटेल,प्रधान पाठक मिडिल स्कूल हाराधन प्रधान,प्रभारी प्रधान पाठक (प्राथमिक) सोमदेव तिवारी, शिक्षक टिकेश्वर पारेश्वर, सहायक शिक्षक कमल लोचन पटेल सहित स्कूली विद्यार्थियों,माताओं आदि की गरिमामई उपस्थिति रही जिन्होंने उत्साह के साथ फ्लदार और छायादार पौधे रोपित किए और पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वयं संकल्पित हुए और आमजन को पर्यावरण जागरूकता का संदेश किया।उक्त जानकारी शिक्षा विभाग मीडिया प्रभारी यशवंत चौधरी एवं दुर्वादल दीप ने दी।

राजमार्ग एनएच पक्षकार बनाए बगैर कैसे हो सकता है सीमांकन

बिलासपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय राजमार्ग निकलने के कारण रियल स्टेट मार्कट नामचीन दर्रीघाट क्षेत्र में जमीनों की खोजबीन अब खबर बना रही है। पटवारी हल्का नंबर 10, खसरा नंबर 22/54 जिसका रकबा लगभग 3.50 एकड़ से ज्यादा है का सीमांकन अब चर्चा में है। 4 जून को पटवारी कार्यालय के बाहर महंगी गाड़ियों की आमद देखी गई विशेष बात यह है कि खसरे में राष्ट्रीय राजमार्ग निकला है। पर एन एच को पार्टी नहीं बनाया गया इस जमीन में एक व्यवहार वाद भी निलंबित है। मुआवजे के कागज बताते हैं कि भू स्वामी ने तिकड़म करके केवल 8 डिसमिल का मुआवजा लिया। मौके पर राजमार्ग में इस खसरे से बड़ा भूखंड गया। प्रश्न है यदि वास्तविक जमीन राजमार्ग में चली गई तो शेष जमीन कहां पर बैठाली जाने वाली है। दर्रीघाट में शासकीय जमीन को निजी बताकर बिक्री का मामला चर्चित रहा कांग्रेस शासन काल में ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन भी दिया। जिस पर निर्देशानुसार तत्कालीन एसडीएम पंकज डाहीरे ने टीम बनाकर शासकीय भूमि की खोज के लिए आदेश भी दिया पर जांच रिपोर्ट का क्या हुआ पता नहीं। 4 तारीख को सीमांकन नहीं हो सका पर एक पंचनामा बना।

हथनीकला में करेंट की चपेट में आकर बकरी की मौत, खेत में बिछे तारों से बढ़ा खतरा

मुंगेली(समय दर्शन) जिले के पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हथनीकला से डांडगांव जाने वाली सड़क के किनारे लगे ट्रांसफार्मर से निकली विद्युत खिचन तार जमीन में गड़ी हुई है, जिससे ग्रामीणों को गंभीर खतरा बना हुआ है। यह तार खेतों में फैले कांटा तार से सट गया है, जिससे पूरे कांटा तार में विद्युत प्रवाहित हो रहा है।

इस लापरवाही का खामियाजा ग्राम हथनीकला निवासी रामकुमार यादव पिता केलहो यादव की बकरी को भुगतना पड़ा। बकरी खेत किनारे में चारा चर रही थी, तभी करंट की चपेट में आकर घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बकरी मालिक ने बताया कि मृत बकरी गर्भवती थी, जिससे उसकी दोहरी क्षति हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कोई उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस प्रकार की विद्युत लापरवाही से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि विद्युत विभाग तुरंत मौके का निरीक्षण कर तारों को सुरक्षित रूप से व्यवस्थित करे, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ग्रामीणों की मांग:
5ट्रांसफार्मर से निकल रहे तारों को सुरक्षित ढंग से व्यवस्थित किया जाए

विद्युत लाइनों का निरीक्षण कर सुधार कार्य कराया जाए

मृत बकरी के मालिक को उचित मुआवजा दिया जाए

दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए

यह मामला विद्युत विभाग की गंभीर लापरवाही को उजागर करता है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

जय बालाजी इंडस्ट्रीज में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोकना हम सब का दायित्व- महाप्रबंधक

दुर्ग। जय बालाजी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, औद्योगिक विकास केन्द्र रसमड़ा-बोरई दुर्ग में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं स्व. देवेन्द्र प्रसाद जाजोदिया की स्मृति में संस्थान परिसर एवं अन्य स्थानों में वृहद् पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।यह आयोजन प्रतिवर्ष की भांति पर्यावरण के प्रति सजगता फैलाने के उद्देश्य से किया गया। इस संबंध में सेफ्टी मैनेजर विवेक इंगले एवम सुशील केशरी ने बताया कि प्रकृति के बिना मानव जीवन संभव नही है। भारत सरकार भी पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कर रही है, जैसे कि स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे परियोजना, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत स्तर पर हम पर्यावरण बचाने पलास्टिक बैग का उपयोग न करके,जरूरत न होने पर पंखे व बिजली उपकरण बंद रखकर एवं जल को व्यर्थ ना बहा कर योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में महाप्रबंधक ने कहा कि आज उद्योगों का तेजी से विकास हो रहा है। इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वृक्षों का दोहन भी बड़ी तेजी से किया जा रहा है। प्रकृति के साथ किये जा रहे इस तरह के खिलवाड़ को रोकना हम सबका दायित्व है। ताकि हम सबका परिवार एवं समाज एक स्वच्छ पर्यावरण में जीवन यापन कर सकें।

इसलिए हम सभी को ज्यादा से ज्यादा वृक्ष रोपण पर ध्यानकेन्द्रीत करना चाहिए, ताकि हम वृक्षारोपण से एक स्वच्छ वातावरण का विकास उपलब्ध कराकर उनके भविष्य का संचार कर सकें। हमें अपने आस-पास के वातावरण को शुद्ध, स्वच्छ और हरा-भरा रखने का भी संकल्प लिया गया। उन्होने बताया कि जय बालाजी समूह का उच्च प्रबंधन सदैव से ही अपने कर्मचारियों एवं आस-पास के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे, उसके लिये सदैव सचेष्ट रहा है। साथ ही यह बताया कि आने वाले समय में ऐसा करके आप स्वयं के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति अपनी कटिबद्धता साबित करते हुए अपने परिवार, समाज व आने वाले पीढीयो को खुशहाल देखेंगे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए कर्मचारी व श्रमिकों को संकल्प दिलवाया गया।

इस अवसर पर पी. के रथ, संदीप नायर, एस.एम. जोशी, प्रदीप पॉल, इकबाल खान, आशीष घोष, महादेव दत्ता, मानस महन्ती, तरूण गुप्ता, राजेश दुबे, जितेन्द्र तिवारी, सुब्रत मुखर्जी, विरेन्द्र शर्मा, तपन राऊत, विवेक इंगले, जोश डेनियल, श्याम देवागंन, घनेन्द्र साहू, ब्रिजेश देखमुख, तारकेश्वर देशमुख, राजेन्द्र सिन्हा, अरूण मिश्रा, खिलेन्द्र चंद्राकर, अमीत सिंग, सुशील केशरी, जी.पी. तिवारी, अभिषेक श्रीवास्तव, अर्जुन लाल वर्मा, बालकृष्ण तिवारी, सरजु निर्मलकर, मिलाप यादव, कृष्णा यादव, सतीस यादव, धर्मेन्द्र, पकज, टाकेश्वर, दुष्यंत, गजेन्द्र, श्याम निषाद, कृतन साहु, रेख चंद के अलावा कंपनी के कर्मचारी एवं श्रमिक मौजूद रहे। यह जानकारी कंपनी के प्रचार प्रसार प्रमुख सुशील केसरी ने दी।

धमतरी पुलिस,थाना कुरूद द्वारा दो अलग-अलग जगहों पर अवैध रुप से शराब बेचने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध की गई वैधानिक कार्यवाही

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। . धमतरी पुलिस थाना कुरूद को मुखबिर के सूचना मिली की एक व्यक्ति मछली पालन परखंदा के पास अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा हैं की सूचना पर थाना कुरूद द्वारा शराब रेड कार्यवाही कर मछली पालन परखंदा के पास आरोपी रघुवीर पटेल पिता नरोत्तम पटेल उम्र 21 वर्ष साकीन परखंदा के कब्जे से 21 पौवा देशी मशाला शराब कीमती 2100/- रूपये एवं बिक्री रकम 200/- रूपये जुमला कीमती 2300/- रूपये को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना कुरूद में अप0 क्र0 143/25 धारा 34 (1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

*आरोपी का नाम *रघुवीर पटेल पिता नरोत्तम पटेल उम्र 21 वर्ष साकीन परखंदा,थाना- कुरूद, जिला-धमतरी (छ0ग0)

?? थाना कुरूद को मुखबिर के सूचना मिली की एक व्यक्ति मेघा रोड,रेत डंप मंदरौद किराना दुकान के पास अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा हैं की सूचना पर तत्काल कुरूद पुलिस द्वारा शराब रेड कार्यवाही कर आरोपी वरुण साहू पिता पुनीत साहू उम्र 33 वर्ष साकीन मेघा के कब्जे से 20 पौवा देशी मशाला शराब कीमती 2000/- रूपये एवं बिक्री रकम 560/- रूपये जुमला कीमती 2560/- रूपये को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना कुरूद में अप0 क्र0 144/25 धारा 34 (1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

आरोपी का नाम-: वरुण साहू पिता पुनीत साहू उम्र 33 वर्ष साकीन मेघा,थाना मगरलोड, जिला-धमतरी (छ0ग0)

पूर्व सरपंच पर 5.18 लाख के गबन का आरोप, जांच और विवादों के बावजूद चुनाव लड़ा और बना पंच

पूर्व सरपंच के खिलाफग्रामीण हो रहे लामबंद

बसना (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना के ग्राम पंचायत बरडीह में पूर्व सरपंच संजय भोई पर सरकारी राशि के गबन का गंभीर मामला सामने आया है। ?5,18,575 की गबन की पुष्टि होने के बावजूद न केवल जांच को बंद कर दिया गया, बल्कि आरोपी पंच पद का चुनाव लड़कर निर्वाचित भी हो गया। ग्रामीणों का शिकायत है कि, पूर्व सरपंच संजय भोई शाम दाम करके उप सरपंच भी बन गया,,उप सरपंच चुनाव भी विवादों के घेरे मे है। उस समय हुए उप सरपंच चुनाव के समय भी गाँव वालों द्वारा अधिकारी कर्मचारी पर सांठगांठ का आरोप लगा था।

गाँव लोगों का कहना है कि, पूरे 90 प्रतिशत गाँव के लोगों की कोई अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि नहीं सुन रहे है ,,और एक व्यक्ति विशेष को तवज्जों दे रहे हैं ।

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच में गबन की पुष्टि : ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण कार्य में अनियमितताओं की शिकायत पर तत्कालीन सीईओ जनपद पंचायत बसना आर.के. वर्मा द्वारा तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी। उप अभियंता के.आर. खुराना, आंतरिक लेखा अधिकारी जयलाल साव व संतलाल साहू की इस समिति ने ग्रामीणों की उपस्थिति में जांच कर ?5,18,575 की राशि का गबन प्रमाणित किया।

कलेक्टर ने संबंधित का अपील की खारिज, फिर भी मामला नस्तीबद्ध : जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम सरायपाली ने संजय भोई को छत्तीसगढ़ पंचायत अधिनियम की धारा 92 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया। भोई ने उक्त आदेश को कलेक्टर न्यायालय महासमुंद में चुनौती दी। लेकिन तत्कालीन कलेक्टर प्रभात मलिक (आईएएस) ने अपील को खारिज करते हुए गबन की राशि को वसूली योग्य बताया।

हालांकि, वर्ष 2025 के पंचायत चुनाव से ठीक पहले संजय भोई ने एसडीएम बसना को एक नया आवेदन प्रस्तुत किया।

जिसमें लंबित न्यायालयीन प्रकरण की जानकारी छिपा ली गई। इसके बाद एसडीएम मनोज खांडे द्वारा 16 जनवरी 2025 को प्रकरण नस्तीबद्ध कर दिया गया।

जिससे भोई के चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया।

ग्रामीणों ने लगाए और भी भ्रष्टाचार के आरोप- सिर्फ सीसी रोड ही नहीं, ग्रामीणों ने अब शौचालय निर्माण और प्रधानमंत्री आवास योजना में भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार शौचालय निर्माण के लिए ?4000 से ?6000 तक की अवैध वसूली की गई, जबकि आवास योजना के लिए भी लाभार्थियों से जबरन पैसे लिए गए। कुछ ग्रामीणों ने संजय भोई पर राजनीतिक संरक्षण होने का भी आरोप लगाया है।

शासन से पुन: जांच की मांग- ग्राम बरडीह के निवासी अशोक गढ़तिया ने मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और कलेक्टर महासमुंद को पत्र भेजकर निम्न मांगें की हैं:

5.18 लाख की राशि की तत्काल वसूली की जाए

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो जिन्होंने प्रकरण को दबाया- ग्राम पंचायत को विकास कार्यों हेतु रोकी गई राशि पुन: जारी की जाए।

क्या होगा अगला कदम ?- यह मामला शासन और प्रशासन की ईमानदारी की अग्निपरीक्षा बन चुका है। क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या यह मामला भी कागजों में दफ्न होकर रह जाएगा? ग्रामीणों की उम्मीदें अब सरकार की निष्पक्षता पर टिकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ करने वाला हिमालय नायक गिरफ्तार

रायपुर। 31 मई को पीड़ित नाबालिक बालिका को आरोपी द्वारा उसके घर के नीचे से पीछा करते हुए डीकेएस अस्पताल पार्किंग तक गया और अश्लील इशारे करते हुए यह जानते हुए कि पीड़ित नाबालिक है को छेड़छाड़ किया कि रिपोर्ट पर थाना गोलबाजार में अप. क्र. 82/2025 धारा 75(1)(4), 77, 78 बीएनएस एवं 8 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी हिमालय नायक पिता देवेंद्र नायक उम्र 30 साल पता म. नं. 19, ब्लॉक आई, राजीव आवास, थाना गोलबाजार रायपुर (छ.ग.) को गिरफ्तार कर कार्यवाही किया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी हिमालय नायक जो थाना गोलबाजार का आदतन अपराधी है जिसके विरुद्ध थाना गोलबाजार में बलवा, मारपीट, आर्म्स एक्ट के तहत कुल 5 पूर्व अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। नाम गिरफ्तार आरोपी :- हिमालय नायक पिता देवेंद्र नायक उम्र 30 साल पता म. नं. 19, ब्लॉक आई, राजीव आवास, थाना गोलबाजार रायपुर (छ.ग.) संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अर्चना धुरंधर, आरक्षक 1545 संदीप सिंह, आरक्षक 327 अभिलाष नायर की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

मामूली विवाद पर कर दी हत्या आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में रात मामूली विवाद पर एक युवक ने दूसरे की चाकू से मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कोतवाली थानक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली पुलिस को सोमवार रात के 12 से 1 बजे के बीच बुढापारा, हनुमान मंदिर गली के पास एक व्यक्ति आहत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी, सूचना पर थाना पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची और आहत व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान किया गया, जिसे थाना लाकर पुछताछ किया गया जो पुछताछ के दौरान दीपक लोहार उर्फ़ गप्पू पिता नोहर विश्वकर्मा उम्र करीब 22 वर्ष साकिन गोबरा नवापारा ने बताया कि रात्रि को वह घर जाते समय मृतक से हनुमान मंदिर गली में टकरा गया जिससे दोनो के बीच विवाद एवं मारपीट हो गया। जिसपर आवेश में आकर उसने अपने पास रखे धारदार हथियार से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अवैध शराब बेच रहे दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना मगरलोड एवं थाना सिहावा द्वारा दो अलग- अलग जगहों पर अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बिक्री कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध कच्ची महुआ शराब कुल 08 लीटर जप्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना मगरलोड पुलिस को मुखबिर सूचना मिली की ग्राम धनबुड़ा कुटेली जंगल पवई नाला के किनारे में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बिक्री कर रहा है की सूचना पर तत्काल मगरलोड पुलिस द्वारा धनबुड़ा कुटेली जंगल पवई नाला के किनारे जाकर घेराबंदी करते हुये।

संभागीय स्तरीय काउंसलिंग 6 जून को

सरगुजा के 283 सहायक शिक्षकों को मिली नवीन पदस्थापना

- शेष अतिशेष व्याख्याताओं एवं शिक्षकों की होगी नवीन पदस्थापना

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत शालाओं में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में सरगुजा संभाग अंतर्गत सभी जिलों के अतिशेष व्याख्याताओं एवं शिक्षकों के समायोजन के लिए संभागीय स्तरीय काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। सरगुजा जिले में आज 283 सहायक शिक्षकों को नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए गए हैं। यह काउंसलिंग प्रक्रिया अम्बिकापुर मल्टीपरपज स्कूल में आयोजित की जा रही है। इसमें विकासखण्ड स्तरीय समिति द्वारा चिन्हित अतिशेष शिक्षकों को जिला स्तरीय समिति की स्वीकृति के बाद संबंधित शिक्षक की प्राथमिकता के अनुसार नवीन संस्था में पदस्थ किया जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार, सभी शिक्षकों को 07 जून 2025 तक नवीन संस्था में कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समयसीमा में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर संबंधित शिक्षक को कार्यमुक्त माना जाएगा और अनुपस्थित मानकर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। यदि त्रुटिवश किसी संस्था में एक से अधिक शिक्षक पदस्थ हो जाते हैं, तो ऐसे मामलों में शिक्षक विहीन या एकल संस्था में पुन: पदस्थापन किया जाएगा। संभागीय शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शेष बचे लगभग

150-200 अतिशेष व्याख्याता एवं 400-500 शिक्षक जिनकी अब तक पदस्थापना नहीं हो पाई है, उनकी काउंसलिंग 5 एवं 6 जून को होगी। जिसके तहत 05 जून 2025 को समय 12 बजे अपरान्ह में व्याख्याताओं का एवं 06 जून 2025 को समय 9 बजे प्रात: से शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण हेतु काउंसलिंग शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर जिला-सरगुजा में रखा गया है। शासन के निर्देशानुसार काउंसलिंग में वरियता के क्रम में दो वर्ष या उससे कम सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक, महिला शिक्षक, शासन से मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन के शिक्षक एवं संकुल समन्वयकों एवं वरिष्ठता के आधार पर अन्य शिक्षकों को प्राथमिकता दी जावेगी। गौरतलब है कि 04 जून 2025 तक सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों को युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूर्ण कर संबंधित शिक्षकों की पदस्थापना सूची, रिक्त पदों की विषयवार, विद्यालयवार एवं संवर्गवार जानकारी संभागीय कार्यालय में हार्ड और सॉफ्ट कॉपी के माध्यम से विशेष पत्र वाहक द्वारा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अतिशेष व्याख्याताओं एवं शिक्षकों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं, और इस सूचना की पावती अभिस्वीकृति सुरक्षित रखें। शिक्षकों की त्वरित और समुचित पदस्थापना से सरगुजा संभाग के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों का संतुलन बेहतर होगा। यह प्रक्रिया राज्य शासन की शिक्षा में गुणवत्ता, समानता और दक्षता की दिशा में प्रतिबद्धता का प्रतीक है। शासन के निर्देशानुसार शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया आज कोरिया जिले में कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मंथन कक्ष में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र गुप्ता तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र गुप्ता ने जानकारी दी कि कोरिया जिले में कुल 121 शिक्षकों, जिनमें 81 सहायक शिक्षक, 33 शिक्षक, तथा 7 व्याख्याता शामिल हैं, को काउंसलिंग के पश्चात नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि युक्तियुक्तकरण की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि कुछ शहरी स्कूलों में छात्र संख्या की तुलना में अधिक शिक्षक पदस्थ थे, जबकि कई दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की भारी कमी थी। इस समायोजन प्रक्रिया से अब उन विद्यालयों में भी शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी।

कविता-संग्रह चाय शिवाय और सर्वहारा की गलियों में लोकर्पित

रायपुर। प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ निवासी कवि श्री प्रकाश गुप्ता 'हमसफ़र 'के दो कविता - संग्रहों का लोकार्पण किया गया.इनमें चाय की महिमा पर केंद्रित पुस्तक 'चाय शिवाय' और जन -सामान्य के दु:ख -दर्दों पर केंद्रित संकलन 'सर्वहारा की गलियों में ' शामिल हैं। मासिक पत्रिका 'दिव्य छत्तीसगढ़ 'द्वारा विगत एक जून की शाम आयोजित लोकार्पण समारोह में सुप्रसिद्ध भाषाविज्ञानी और साहित्यकार डॉ. चित्तरंजन कर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. अध्यक्षता सुपरिचित कवि, लेखक और वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने की. दोनों वक्ताओं ने कवि 'हमसफ़र ' की काव्य -प्रतिभा की प्रशंसा की और संग्रहों की विषय -वस्तु पर प्रकाश डालते हुए उन्हें पहली बार प्रकाशित उनके दोनों संग्रहों के लिए बधाई दी. उन्होंने काव्य सृजन के क्षेत्र में उनकी उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभेच्छा प्रकट की.विशेष अतिथियों ने भी प्रकाश गुप्ता की दोनों कृतियों के प्रथम प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दीं.समारोह लगभग साढ़े तीन घंटे तक चला. आयोजन में बस्तर जिले के वयोवृद्ध समाजसेवी, पद्मश्री सम्मानित श्री धर्मपाल सैनी भी विशेष रूप से कुछ समय के लिए शामिल हुए. आयोजकों ने उनका हार्दिक स्वागत किया. श्री सैनी ने भी अपनी शुभकामनाएँ दी। लोकार्पण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार और छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जन जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री जी. आर. राना, वरिष्ठ साहित्यकार और कल्याण महाविद्यालय (भिलाई नगर) के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा।

जल भराव को रोकने नालों की साफ-सफाई एवं पुल मरम्मत करने महापौर का निर्देश.....

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 5 के अंतर्गत भक्त माता कर्मा वार्ड क्रमांक 67 के क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्थानों का निरीक्षण बारिश के पूर्व नाले - नालियों की सफाई व्यवस्था और विभिन्न कार्यों को लेकर स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महापौर के साथ स्थानीय पार्षद तथा अन्य अधिकारी माजूद थे नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड 67 पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके, जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा, उप अभियंता सर्वसंस्कार शर्मा, टिकेन्द्र चंद्राकर, अंकुर शर्मा एवं अन्य सम्बंधित जोन

अधिकारियों की उपस्थिति में किया. कार्य की स्थल समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने लोहार चौक भाठागांव के समीप निकास सुगम बनाने पुलिया की आवश्यक मरम्मत शीघ्र करवाने, चंगोराभाठा शीतला तालाब की सफाई और सौंदर्यीकरण हेतु आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र भेजने के निर्देश दिए है। महापौर ने वार्ड पार्षद और जोन कमिश्नर की उपस्थिति में विनायक कॉलोनी के क्षेत्र में उद्यान का निरीक्षण कर उसे सुव्यवस्थित करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए हैं. महापौर ने बारिश के पूर्व सभी नालों और नालियों में तले तक लद्दी निकालकर मुहाने खोलकर गन्दे पानी की सुगम निकासी पूर्वनिश्चित करने निर्देशित किया है, ताकि बारिश में नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना ना करना पड़े। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी सहित जोन 5 जोन कमिश्नर और अधिकारियों की उपस्थिति में जोन क्रमांक 5 के क्षेत्र के अंतर्गत भक्त माता कर्मा वार्ड क्षेत्र में तिरंगा चौक,वालफेर्ट सिटी के पास,रिंग रोड, भाठागांव, ब्रह्मवेद स्कूल के पास,शीतला तालाब के पास पहुंचकर नालों एवं नालियों की बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए।

स्वदेशीकरण के लिए ग्रामोद्योग का कार्य सराहनीय:पाण्डेय

- छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष ने ग्रामोद्योग इकाईयों का किया निरीक्षण

रायपुर/ संवाददाता

स्वदेशीकरण के लिए ग्रामोद्योग का कार्य सराहनीय है। यह बाते छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री राकेश पांडेय ने कही। श्री पाण्डेय आज कांकेर एवं धमतरी जिले में स्थित बोर्ड में वित्तपोषित एवं पंजीकृत ग्रामोद्योग इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत अभियान एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सशक्त गांव, आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सराहनीय पहल है। निरीक्षण के दौरान श्री पांडेय ने इकाइयों की कार्यप्रणाली, उत्पादन गुणवत्ता, कच्चे माल की उपलब्धता, विपणन प्रणाली, तकनीकी सशक्तता और रोजगार सृजन की स्थिति का विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामोद्योग के माध्यम से गांवों में स्वरोजगार के अवसर को बढ़ाकर प्रदेश की आर्थिक संरचना को मजबूत किया जा सकता है। ग्रामोद्योग निर्माण इकाई का निरीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित कारीगरों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने कारीगरों को प्रशिक्षण, डिज़ाइन विकास, विपणन सहयोग और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए ठोस रणनीति बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का आत्मनिर्भर भारत अभियान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ग्रामीण विकास और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने की नीति, दोनों हमें यह प्रेरणा देती हैं कि गांवों को आर्थिक रूप में सशक्त बनाकर हम समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड शीघ्र ही तकनीकी नवाचार, ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म, ब्रांडिंग तथा उद्यमिता विकास की दिशा में नई योजनाएं प्रारंभ करेगा, जिससे ग्रामोद्योग को एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और अधिकारियों से अपील की है कि वे सभी राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप में पहुंचाने के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण युवा और महिलाएं इससे जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भटगांव क्षेत्र के विकास के लिए 20.57 करोड़ रूपए मंजूर हुए.....

- मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से विकास कार्यों को मिली रफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास मंत्री और भटगांव विधानसभा की विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 20 करोड़ 56 लाख 55 हजार रूपए की मंजूरी दी गई है। इन कार्यों में एन.एच. 43 से नया कृष्ण मंदिर सिलफ्ली बनारस रोड तक 5

किलोमीटर लंबे पहुँचमार्ग का निर्माण कार्य, जिसकी लागत 690.68 लाख रूपये है। इसी प्रकार एन.एच. 43 से मायापारा दुर्गाबाड़ी होते हुए रविंद्र नगर (नवापारा) तक 4 किलोमीटर का पहुँच मार्ग 448.95 लाख रूपए की लागत से तैयार किया जाएगा। बीरमताल से उमेशपुर के बीच गोबरी नदी पर पुलिया निर्माण कार्य हेतु 307.19 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। सूरजपुर के कुप्पा जमघरपारा से चौकीदार पारा नवापारा गिरहूलपारा तक 6.10 किलोमीटर तक पहुंचमार्ग 593.73 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इन निर्माण कार्यों के पूरा होने से न सिर्फ क्षेत्र में यातायात सुविधा बेहतर होगी, बल्कि ग्रामीणों को सुगम आवागमन के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार जनता से किए गए हर वादे को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है।

बालात्कार के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने बालात्कार के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 09.05.2025 को प्रार्थिया ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि पीडिता वर्तमान में बीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई अपनी रिश्ते की नानी के घर पण्डरीपानी मे रहकर कर रही है। पण्डरीपानी के सरपंच के घर मे देवेन्द्र जुर्री नाम का लड़का रहकर काम करता था। पीडिता के मामा के साथ मेरे घर मे कभी-कभी आता रहता था पीडिता कभी भी उसके साथ में बात नहीं करती थी दोस्ती यारी नहीं थी पीडिता की नानी के रिश्तेदारी में दिनांक 04.05.2025 से शादी होने के कारण लगातार 04-05 दिन तक का जागरण हो गया था तो पीडिता दिनांक 08.05.2025 के रात्रि 08.30 बजे जल्दी सोने वाली थी। पीड़िता के मामा और नानी दोनो मन्दिर गये थे तब देवेन्द्र जुर्री आया और छेडखानी करने लगा था पीडिता ने मना किया था पीडिता की नानी उसी समय मन्दिर से वापस आ गई तब पीडिता की नानी के द्वारा दरवाजा खोलने की आवाज सुनकर वहां से भाग गया पीडिता एकदम डर गई थी अपनी नानी को इसके बारे में नहीं बताई तब पीडिता को नींद रात मे बहुत देर तक नहीं लगा था वह परेशान हो गई थी कि ये लड़का क्या कर रहा था किसी को बताऊंगी तो मेरा यकिन नहीं करेंगे यह सोचकर पीडिता ने नानी को नहीं बताई पीडिता की नानी के साथ एक कमरे में सोती है मामा अलग सोते है।

छत्तीसगढ़ में शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से शिक्षा में नया संतुलन

दूरस्थ अंचल के स्कूलों के बच्चों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की एक व्यापक और प्रभावशाली प्रक्रिया शुरू की है। इस पहल से दूरस्थ, आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता और शिक्षा की गुणवत्ता का नया संतुलन कायम होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का कहना है कि युक्तियुक्तकरण का उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। इसको ध्यान में रखकर शालाओं और शिक्षकों का तर्कसंगत समायोजन किया जा रहा है। जहां जरूरत ज्यादा है, वहां शिक्षकों का बेहतर ढंग से उपयोग सुनिश्चित हो। उन स्कूलों को, जो कम छात्रों के कारण समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें नजदीक के अच्छे स्कूलों के साथ समायोजित किया जा रहा है, ताकि बच्चों को बेहतर माहौल, संसाधन और पढ़ाई का समान अवसर मिल सके। युक्तियुक्तकरण से शिक्षा का स्तर सुधरेगा और हर बच्चे को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। यह पहल राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ज्यादा सशक्त और संतुलित बनाएगी। कोरबा जिले के सभी प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में अब न्यूनतम दो व तीन शिक्षक पदस्थ किए गए हैं। 287 सहायक शिक्षक, 147 माध्यमिक शिक्षक और 75 व्याख्याताओं को काउंसलिंग के माध्यम से ऐसी शालाओं में पदस्थ किया गया है, जहां शिक्षक की जरूरत थी। इससे पोड़ी उपरोड़ा, पाली, करतला, कटघोरा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में वर्षों से शिक्षकविहीन रहे विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। गणित, विज्ञान जैसे विषयों के विशेषज्ञों शिक्षक स्कूलों में उपलब्ध होंगे। रायपुर के धरसीवां विकासखंड में कई स्कूलों में छात्रों की संख्या के मान से शिक्षक अधिक पदस्थ हैं। नयापारा कन्या स्कूल में 33 छात्राओं पर 7 शिक्षक तथा रविग्राम में 82 विद्यार्थियों पर 8 शिक्षक पदस्थ हैं। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से इन शिक्षकों को आवश्यकता वाली शालाओं में पदस्थ किया जाएगा, जिससे शिक्षक और छात्र के अनुपात का संतुलन कायम होने के साथ ही दूरस्थ इलाकों के

बच्चों को भी अध्यापन के लिए शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इसी तरह शिक्षकों की पदस्थापना में असंतुलन के चलते राजनांदगांव और दुर्ग जिले के ग्रामीण स्कूलों के परीक्षा परिणामों में गिरावट आई है। राजनांदगांव के घोटिया स्कूल में 103 छात्रों पर मात्र 3 व्याख्याता हैं, वहीं दुर्ग के मुरमुदा, सिलितरा और बिरेझर जैसे स्कूलों में पर्याप्त संख्या में व्याख्याता न होने के कारण इन स्कूलों का परीक्षा परिणाम प्रभावित हो रहा है। इसके उलट शहरी स्कूलों में शिक्षक आवश्यकता से अधिक पदस्थ हैं। युक्तियुक्तकरण से अब इस असमानता को दूर किया जा रहा है। बस्तर संभाग के सात जिलों बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर और सुकमा में कुल 1611 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। इससे शैक्षणिक संसाधनों का समुचित वितरण, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर, खेल सामग्री जैसी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही, एक ही परिसर में संचालित शालाओं का एकीकरण कर प्रशासनिक खर्च में भी बचत होगी। कमोवेश यह स्थिति कोरिया जिले में मिली, जिसके कारण जिले में 81 सहायक शिक्षक, 33 शिक्षक व 7 व्याख्याताओं को ऐसी शालाओं में पदस्थ किया गया, जहां शिक्षकों की जरूरत रही है। जिलों में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी ढंग से संचालित की जा रही है और अतिशेष शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से उनकी पसंद की शालाओं में पदस्थ किया जा रहा है। सरगुजा जिले में भी युक्तियुक्तकरण के माध्यम से 283 सहायक शिक्षकों को उन शालाओं में भेजा गया है, जहां शिक्षकों की जरूरत थी। जांजगीर जिले में 18 प्रधान पाठक, 196 शिक्षक और 436 सहायक शिक्षकों की काउंसलिंग प्रक्रिया पारदर्शी व वरिष्ठता प्रणाली के आधार पर पूर्ण की गई। चयनित शिक्षकों को तत्काल पदस्थापना आदेश भी दे दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ में शिक्षक युक्तियुक्तकरण की यह नीति न केवल शैक्षणिक असमानताओं को दूर कर रही है, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को समान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप का अड़ियल रुख

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ (ईयू) से सभी आयात पर एक जून से 50 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा की और कहा कि उनके साथ व्यापार वार्ता बेनतीजा रही। अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर ट्रंप ने लिखा है कि यूरोपीय संघ दशकों से अमेरिका का शोषण कर रहा है। भारी व्यापारिक बाधाओं, वैट टैक्स, ज्यादा कॉरपोरेट जुर्माने, मुद्रा में हेरफेर और अनुचित मुकदमेबाजी के जरिए उसने अमेरिका को खासा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप का कहना है कि ईयू के इन अनुचित तौर-तरीकों के चलते अमेरिका को हर साल 250 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हो रहा है। ट्रंप का फैसला कड़ा है, लेकिन हैरत में डालने वाला नहीं। इसलिए कि दूसरी बार सत्ता में आने से काफी पहले वह अपने प्रचार के दौरान जोर-शोर से अमेरिका फर्स्ट की बात कह रहे थे। इसके तहत अमेरिका के लिए कारोबारी स्थितियां माकूल बनाने की गरज से टैरिफ लगाने के संकेत उन्होंने दे दिए थे। ट्रंप की ईयू पर 50 फीसद टैरिफ संबंधी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब कुछ घंटों बाद ही अमेरिका और ईयू अधिकारियों की व्यापार वार्ता होनी थी, जो अब अधर में लटक गई है। ट्रंप को लगता है कि ईयू व्यापार समझौता करना चाहता है, लेकिन सही तरीके नहीं करता, लेकिन कोई समझौता वार्ता फैसलाकुन होने से पहले ही ट्रंप ने अप्रत्याशित तरीके से वार्ता न होने देने के हालात पैदा कर दिए। कहने में गुरेज नहीं कि ट्रंप अपने देश के कारोबार और कारोबारियों को संकट में डाल रहे हैं। इससे पहले उन्होंने एप्पल से जुड़ी पुरानी लड़ाई को भी शुरू कर दिया। अमेरिका में न बने एप्पल के आईफोन पर 25 फीसद आयात शुल्क लगाने की धमकी दी और एप्पल के शेयर एकाएक 3 फीसद गिर गए। एप्पल संबंधी उनकी बयानबाजी को विशेषज्ञों ने अव्यावहारिक करार दिया है। अब ईयू संबंधी ट्रंप की बयाजबाजी ईयू अमेरिका का मुकाबला करने के लिए सक्रिय हो जाएगा। ईयू ने कह दिया है कि वह व्यापार वार्ता करने को तैयार है, लेकिन अब उसे जवाब देना पड़ेगा। हालांकि अमेरिकी अधिकारी ट्रंप के बचाव में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि ईयू के देशों में ही व्यापार वार्ता को लेकर मतभेद हैं। ऐसे में अमेरिका को फैसला करना होगा। बहरहाल, ट्रंप अड़ियल रुख दिखा कर वास्तविकता की अनदेखी कर रहे हैं, जिसका अमेरिका को खमियाजा भुगतना पड़ सकता है।

बांग्लादेश देश के मुखिया मोहम्मद यूनिस भी चाइना से मिलकर पूर्वोत्तर भारत में साजिशे रच रहे हैं

अजय दीक्षित

मोहम्मद यूनिस ने हाल ही में चाइना में कहा कि चिकन नेक भारत की दुखती रग है।ये बात उन्होंने ऐसे समय पर कही है जब भारत और बांग्लादेश के संबंधों में निर्वासित शेख हसीना की भारत में उपस्थिति को लेकर तल्खी आयी है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अगस्त 2025 से भारत में शरण ले रखी है। और बांग्लादेश पर मुस्लिम कट्टर पंथियों जमायते इस्लामी संगठन का कब्जा है। भारत एक ऐसा देश है कि जो अपने पड़ोसियों देशों से परेशान हैं क्योंकि अभी हाल ही में पाकिस्तान के साथ पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद तीन दिनों का युद्ध भी हुआ। बांग्लादेश में भारत विरोधी सरकार है।पूर्व में ही एक अन्य देश म्यांमार में सैनिक शासन है और वहां ग्रह युद्ध चल रहा है।आॅर्गन आर्मी ने तीस प्रतिशत उस भूभाग पर कब्जा कर लिया जहां से कार्दन कोरिडोर गुजर रहा है जिसे भारत चिकन नेक के वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित कर रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी और गोहाटी की दूरी भी कम हो सके और दूसरा रास्ता भी मिल जाय।क्योंकि इस मुर्गे की गर्दन पर बांग्लादेश की ब्लैक मेलिंग पूर्वी पाकिस्तान के समय से चल रही है और चाइना की नजर हमेशा अरुणाचल प्रदेश और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों पर बनी रहती है। जब शेख हसीना सरकार बांग्लादेश में थी तब भारत आराम दायक स्थिति में था लेकिन मुस्लिम कट्टर पंथियों की जमायत इस्लामी सरकार ऐसा लगता है कि 1971 से पहले की स्थिति को बांग्लादेशी आवाम को भूलने का अभियान चला रही है और चाइना पूरी तैयारी के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश को हवा दे रहा हैं। चाइना भारत के बहुआयामी कोरिडोर जो म्यांमार से त्रिपुरा तक जमीनी रास्ते से जाएगा उसमें भी अड़ंगा डाल रहा है यद्यपि आर्गन आर्मी ने यह हिस्सा अपने कब्जे में लिया है मगर चाइना म्यांमार की सैनिक शासन की मदद कर रहा है वहां गृह युद्ध चल रहा है। बांग्लादेश के सलाहकार मोहम्मद यूनिस ने चाइना बीजिंग में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चिकन नेक कमजोर कड़ी है।दरअसल पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी से असम, मेघालय मिजोरम, नागालैंड त्रिपुरा, मणिपुर,जाने का बीस किलोमीटर चौड़ा और 1800 किलोमीटर रास्ता भारत भूमि है और ये आजादी के समय ब्रिटिश ने गजट नोटिफाइड की थी ।बाकी हिस्सा पा किस्तान को चला गया जो बंगाल की खाड़ी तक जाते हैं। भारत ने 2010 में कार्डन से होता हुआ समुद्र के रास्ते पिखलुआ तक फोर लेन रोड म्यांमार से सूकी के शासन में अनुबंधित किया था 2025 तक इरकॉन को इसे बनाना था मगर सैनिक बलों ने सूकी को जेल में डाल दिया। तख्ता पलटकर फौज शासन में आ गई।तो पूरी परियोजना को नए सिरे से अप्रैल 2025 में फिर शुरू किया मगर जिस ज़मीन पर यह त्रिपुरा तक जानी है उस पर अब म्यांमार के विद्रोही गुटों का कब्जा है जिन्हें अमेरिका से मदद मिली हुई है। म्यांमार 1937 से पूर्व भारत का हिस्सा था इसे वर्मा कहते थे और भारत के लोग यहां तक कि उत्तर प्रदेश के लोग तत्कालीन वर्मा देश में व्यवसाय भी करते थे लेकिन कालांतर में ब्रिटिश ने इस हिस्से को वहां रहने वाली जनजाति के कारण भारत से अलग राष्ट्र बना दिया।सूकी के पिता यहां के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे सूकी दिल्ली में पड़ी है और अच्छी हिंदी भाषा बोली और लिख देती हैं। मोहम्मद यूनिस इन दिनों भारत के खिलाफ अभियान चला रहे क्योंकि वह काफी अरसे से अमेरिका में रह कर भारत का विरोध इस आधार पर करते थे क्योंकि शेख हसीना सरकार भारत के हित को ध्यान रखती थी।

अपने कार्यक्रमों में विभिन्न विचारों के महानुभावों को आमंत्रित करने की है संघ की परंपरा

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सबके लिए खुला संगठन है। इसके दरवाजे किसी के लिए बंद नहीं है। कोई भी संघ में आ सकता है। कोई विपरीत विचार का नेता, सामाजिक कार्यकर्ता या विद्वान व्यक्ति जब संघ के कार्यक्रम में शामिल होता है, तब उन लोगों को आश्चर्य होता है, जो संघ को एक 'क्लोज्ड डोर ऑर्गेनाइजेशन' समझते हैं। जो संघ को समझते हैं, उन्हें यह सब सहज ही लगता है। इसलिए नागपुर में आयोजित संघ शिक्षावर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन समारोह में जब मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के जनजाति वर्ग के कद्दावर नेता अरविंद नेताम को आमंत्रित किया गया, तब संघ को जाननेवालों को यह सहज ही लगा लेकिन संघ के प्रति संकीर्ण सोच रखनेवाले इस पर न केवल हैरानी व्यक्त कर रहे हैं अपितु वितंडावाद भी खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, उनके वितंडावाद की हवा स्वयं जनजातीय नेता अरविंद नेताम ने यह कहकर निकाल दी कि वनवासी समाज की समस्?याओं और चुनौतियों को संघ कार्यक्रम के माध्?यम से रखने का सुअवसर मुझे मिला है। उन्होंने संघ के संबंध में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की है कि इस संगठन में चिंतन-मंथन की गहरी परंपरा है। भविष्य में जनजातीय समाज के सामने जो चुनौतियां आनेवाली हैं, उसमें आदिवासी समाज को जो संभालनेवाले और मदद करनेवाले लोग/संगठन हैं, उनमें हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मानते हैं। सुप्रसिद्ध जनजातीय नेता अरविंद नेताम श्रीमती इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जय प्रकाश नारायण से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी एवं प्रणब मुखर्जी तक शामिल हो चुके हैं। संघ ने कभी किसी से परहेज नहीं किया। संघ अपनी स्थापना के समय से ही सभी प्रकार के मत रखनेवाले विद्वानों से मिलता रहा है और उन्हें अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करता रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं कि अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार प्रतिष्ठित राजनेता थे। कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ उनका गहरा परिचय था। संघ का दर्शन कराने के लिए डॉक्टर साहब लगातार विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ में आमंत्रित करते थे। वे उस समय की चुनौतियों के संबंध में सबसे विचार-विमर्श करके समाधान के मार्ग तक पहुँचने का प्रयास करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं कि किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण सम्मानित समाजवादी नेता थे। प्रारंभ में संघ को लेकर उनके विचार आलोचनात्मक थे। लेकिन जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए। उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि यदि आरएसएस फासीवादी संगठन है तो जेपी भी फासीवादी है। प्रख्यात समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया और संघ के पदाधिकारियों के साथ मित्रतापूर्ण संवाद रहा है। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है कि मैं संघ का विधिवत सदस्य नहीं हूँ, फिर भी स्वभाव से, परिकल्पना से मैं स्वयंसेवक हूँ। परम पावन दलाई लामा संघ के अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं, उनका भी कहना है कि मैं संघ का समर्थक हूँ। अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के लिए यह संगठन जाना जाता है। वर्ष 1977 में आंध्रप्रदेश में आए चक्रवात के समय स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को देखकर वहां के सर्वोदयी नेता श्री प्रभाकर राव ने तो संघ को नया नाम ही दे दिया था। उनके अनुसार-आरएसएस अर्थात् रेडी फॉर सेल्फलेस सर्विस संघ के कार्यक्रम में जब भी कोई अन्य विचार का व्यक्ति आया है, तब संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से कभी उनका विरोध नहीं हुआ। बल्कि स्वयं को अधिक प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक बतानेवाले लोगों ने ही आमंत्रित महानुभावों को रोकने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। जब उनके सब प्रयत्न विफल हो जाते हैं, तब ये लोग आमंत्रित महानुभावों की छवि पर हमला करने लगते हैं। उन्हें 'छिपा हुआ संघी' घोषित कर देते हैं। याद हो, वर्ष 2018 में नागपुर के रेशिमबाग में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-तृतीय वर्ष के समापन समारोह में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शामिल होने का समाचार सामने आया, तब कितना हो-हल्ला मचाया गया। प्रणब दा को रोकने के लिए पत्र लिखे गए, आह्वान किए गए। आखिर में प्रणब दा समारोह में पहुँचे और अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रणब दा न केवल आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार के घर (संग्रहालय) गए, बल्कि वहाँ उन्होंने विजिटर बुक में लिखा- मैं आज भारत माँ के महान सपूत डॉ. केबी हेडगेवार के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूँ।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया के नेता और दलित नेता दादासाहेब रामकृष्ण सूर्यभान गवई तथा कम्युनिस्ट विचारों वाले जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर भी संघ के कार्यक्रमों में आ चुके हैं। मीनाक्षीपुरम में कुछ हिंदुओं द्वारा धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार किए जाने की घटना के बाद श्री गवई ने स्वयं संघ के कार्यक्रम में आने की इच्छा व्यक्त की थी और अपने विचार रखे थे। केरल की पहली कम्युनिस्ट सरकार में मंत्री रहे जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने स्थानीय विरोधों के बावजूद तत्कालीन सरसंघचालक से संपर्क किया और बाद में पत्रकारों के सामने अपने विचार रखे थे। अभी हाल के वर्षों में देखें तो, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, डीआरडीओ के पूर्व डायरेक्टर जनरल विजय सारस्वत, एचसीएल के प्रमुख शिव नाडर, नेपाल के पूर्व सैन्य प्रमुख रुकमंगुड कटवाल जैसे व्यक्तित्व संघ के विजयादशमी उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुके हैं। पिछले एक दशक में नागपुर में आयोजित होनेवाले संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में आए प्रमुख महानुभावों में दैनिक पंजाब केसरी के संचालक एवं संपादक अश्वनी कुमार, आदिचुनचुनगिरी मठ (कर्नाटक) के प्रधान पुजारी श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, धर्मस्थल कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. विरेन्द्र हेगडे, साप्ताहिक 'वर्तमान' (कोलकाता) के संपादक रंतिदेव सेनगुप्त, श्रीरामचंद्र मिशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष दाजी उपाख्य कमलेश पटेल, श्री काशी महापीठ (वाराणसी) के 1008 जगद्गुरु डॉ. मल्लिकार्जुन विश्वाराध्य शिवाचार्य महास्वामी, श्री सिद्धगिरी संस्थान मठ (कोल्हापुर) के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी और श्री क्षेत्र गोदावरी धाम बेट सराला के पीठाधीश श्री रामगिरी जी महाराज प्रमुख हैं। इसके अलावा देशभर में आयोजित संघ शिक्षा वर्गों के कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों समाज जीवन के प्रतिष्ठित लोगों को संघ आमंत्रित करता है।

जनरल करिअप्पा ने की संघ कार्य की प्रशंसा :- वर्ष 1959 में पूर्व जनरल फील्ड मार्शल करियप्पा मंगलोर में संघ की एक शाखा के कार्यक्रम में गए थे। वहाँ उन्होंने कहा था कि संघ कार्य मुझे अपने हृदय से प्रिय कार्यों में से है। अगर कोई मुस्लिम इस्लाम की प्रशंसा कर सकता है, तो संघ के हिंदुत्व का अभिमान रखने में गलत क्या है? प्रिय युवा मित्रों, आप किसी भी गलत प्रचार से हतोत्साहित न होते हुए कार्य करो। डॉ. हेडगेवार ने आपके सामने एक स्वार्थरहित कार्य का पवित्र आदर्श रखा है। उसी पर आगे बढ़ो। भारत को आज आप जैसे सेवाभावी कार्यकर्ताओं की ही आवश्यकता है।

संघ के वर्ग एवं शाखा में महात्मा गांधी : वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीत शिविर वर्धा में महात्मा गांधी के आश्रम के पास ही लगा था। गांधीजी ने शिविर को देखने इच्छा प्रकट की। वर्धा के संघचालक अप्पाजी जोशी ने शिविर में उनका स्वागत किया। महात्मा गांधी ने बड़ी बारीकी से शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने अप्पाजी से पूछा कि इस शिविर में कितने हरिजन हैं? अप्पाजी ने जवाब दिया- यह बताना कठिन है, क्योंकि हम सभी को हिंदू के रूप में ही देखते हैं। इतना हमारे लिए पर्याप्त है। बाद में उनकी भेंट संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के साथ हुई। संघशिक्षा वर्ग में जाने की यह बात स्वयं महात्मा गांधी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कही। 16 सितंबर, 1947 की सुबह दिल्ली में संघ की शाखा पर जाकर महात्मा गांधी ने स्वयंसेवकों से संवाद किया। उन्होंने कहा- बरसों पहले मैं वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर में गया था। उस समय इसके संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्व. श्री जमनालाल बजाज मुझे शिविर में ले गये थे और वहां मैं उन लोगों का कड़ा अनुशासन, सादगी और छुआछूत की पूर्ण समाप्ति देखकर अत्यन्त प्रभावित हुआ था। संघ एक सुसंगठित, अनुशासित संस्था है।

संघ शिक्षा वर्ग में डॉ. भीमराव आंबेडकर : समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाने वाले महानायकों में से एक डॉ. भीमराव आंबेडकर भी संघ के प्रणेता डॉ. हेडगेवार के संपर्क में थे। बाबा साहेब 1937 और 1939 में संघ शिक्षा वर्ग में गए थे। 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट्र) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ। इस दौरान वहां 100 से अधिक वंचित और पिछड़े वर्ग के स्वयंसेवक थे। जिन्हें देखकर डॉ. आंबेडकर को आश्चर्य तो हुआ ही बल्कि भविष्य के प्रति उनकी आस्था भी बढ़ी। सन् 1939 में एक बार फिर बाबा साहब पुणे के संघ शिक्षा वर्ग के सायंकाल के कार्यक्रम में आए थे। यहाँ उनकी भेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं तत्कालीन सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से हुई। इसी प्रकार, संघ से प्रतिबंध हटाने में डॉ. अंबेडकर का जो सहयोग प्राप्त हुआ, उसके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए तत्कालीन सरसंघचालक माधवराव गोलवलकर ने सितंबर 1948 में दिल्ली में उनसे भेंट की।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फ्लिपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

गर्मियों में सिर को यूं रखें स्वस्थ

गर्मियों में सिर में रुखापन और खुजली से आपको झुंझलाहट महसूस हो सकती है और चमकदार बालों के लिए इसका उपचार करने की जरूरत होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छे शैम्पू से नियमित रूप से सिर की सफाई करने के साथ ही तेज धूप में स्कार्फ या दुपट्टे से सिर ढकने से और मसाज करने से सिर (स्कैल्प) को स्वस्थ रखा जा सकता है। इस संबंध में सुझाव दिए हैं :

- सिर की नियमित रूप से अच्छे शैम्पू से सफाई करें। गर्मी में ऐसे शैम्पू का इस्तेमाल करें जो अतिरिक्त तेल, पसीना, गंदगी को निकाल दे।
- सिर में नमी या मुलायमपन को बरकरार रखने के लिए आप सूदिंग या रिफ्रेशिंग स्कैल्प मास्क का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- सिर में रुखेपन व खुजली से बचने के लिए इसे हमेशा साफ रखें।
- तेज धूप में बाहर निकलने के दौरान स्कार्फ या हैट से सिर ढक कर रखें।
- सिर में कोई समस्या होने पर महीने में हर 15 दिन पर विशेष उपचार लेना बेहतर होगा।
- त्वचा और सिर में नमी बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ का सेवन करें।
- हर 15 दिन पर सिर की गहराई से सफाई सिर से संबंधित समस्या को दूर रखेगी।

- सही उत्पाद के इस्तेमाल से बालों की अच्छी तरह कंडीशनिंग करें।
- नैचुरल तेल से नियमित (सप्ताह में 3-4 दिन) रूप से सिर, बालों का कम से कम 10 मिनट तक मसाज जरूर करें।
- मसाज के बाद अच्छे शैम्पू से बाल धो लें।
- बाल कभी भी गर्म पानी से नहीं धुलें। गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।
- हेयर ड्रायर के इस्तेमाल के बिना बाल पूरी तरह से सुखा लें।
- बाल धोने के बाद नैचुरल चिपचिपारहित तेल या क्रीम थोड़ी मात्रा में बालों में लगाएं।
- बालों पर लगातार स्टाइलिंग जेल या हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करने से बचें।
- नमी बनाए रखने के लिए विशेष रूप से सुबह के समय ढेर सारा पानी पिएं।
- तेज धूप में ज्यादा देर बाहर रहने से बचें।
- रोजाना कम से कम 10 मिनट प्रणायाम करें।

तुलसी के बीज से दूर होगी ये बड़ी-बड़ी समस्याएं

तुलसी का पौधा घर की नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक बनाता है। कुछ लोग तुलसी का इस्तेमाल हैल्थ प्रॉब्लम को दूर करने के लिए भी करते है लेकिन आज हम आपको तुलसी के बीजों से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहें है। आयुर्वेदिक, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन इ, ख, कार्बोहायड्रेट, ओमेगा-3 फैटी एसिड और खनिज तत्वों से भरपूर यह बीज ठंडी तासीर के होते है। इसका सेवन यौन रोग, टेंशन, डिप्रेशन, दिमागी थकान और माईग्रेन जैसी बीमारियों को दूर करता है। तो आइए जानते है तुलसी के बीजों का सेवन करने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते है।

सर्दी-खांसी

लौंग, तुलसी के बीज को 1 गिलास पानी में उबाल लें। जब यह आधा रह जाए तो इसमें सेंधा नमक डालकर सेवन करें। दिन में दो बार इसका सेवन सर्दी, खांसी और जुकाम से राहत दिलाता है।

यौन रोग

तुलसी के बीज पुरूषों में होने वाली शारीरिक कमजोरी को दूर करने में मदद करते है। इसका नियमित रूप से सेवन यौन रोग और नपुंसकता की समस्या तक दूर हो जाती है।

गर्भधारण करना

मासिक आने पर 5 ग्राम तुलसी बीज को सुबह शाम पानी के साथ लें। जब तक मासिक चले न जाएं इसका सेवन करें। पीरियड्स जाने के बाद 3 दिन तक 10 ग्राम माजूफल चूर्ण को पानी के साथ लें। इससे आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

पाचन तंत्र

फाइबर और पाचक एंजाइमों से भरपूर इन बीजों का सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सुबह इसका सेवन भूख को कंट्रोल करता है, जिससे आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

सिरदर्द

तेज सिरदर्द होने पर तुलसी के बीज और कपूर को पीसकर मालिश करें। इससे आपका सिरदर्द तुरंत गायब हो जाएगा। इसके अलावा इसके बीजों का सेवन टेंशन, डिप्रेशन, और माईग्रेन को दूर करता है।

यौनि में इंफेक्शन

तुलसी के बीज और शहद को पानी में मिलाकर दिन में 2 बार पीएं। इससे ब्लैडर, किडनी और योनि में इंफेक्शन की समस्या दूर हो जाएगी।

सोराइसिस

एक्जिमा सोराइसिस को दूर करने के लिए रोजाना तुलसी के बीज को पीसकर नारियल तेल में मिक्स करके लगाएं। कुछ समय में ही आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

पेट की प्रॉब्लम

रात को सोने से पहले 1 गिलास दूध में इन बीजों को मिलाकर पीएं। इससे कब्ज, एसिडिटी, पेट में दर्द, गैस और एसिड जैसी समस्याएं दूर होंगी।

करना है वेट लूस तो अपनाएं जूस थेरपी

जूस का नाम सुनते ही हम सब फ्रूट्स बारे में सोचने लगते हैं, लजीज स्वाद के साथ, जो आपकी सेहत और स्वाद दोनों को बरकरार रखेगा। जूस थेरपी हैल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है। आइए जानते हैं जंक फूड जो कि कैलरीज से भरा हो, उसे बिल्कुल बंद कर दें। फ्राइड खाना, डेजर्ट, अल्कोहल, सिगरेट, कॉफी, चॉकलेट्स इन सब ही चीजों को खाना बंद करें। आप अपनी तीन दिन की जूस थेरपी के लिए तैयार हैं। इसको ऐसे समय में शुरू करें, जब आप पर ज्यादा काम का बोझ न हो और आपकी बॉडी को पूरा आराम मिल सके। दिन में पांच-छह बार अलग-अलग तरह के जूस पिएं। शुरुआत लेमन जूस से करें। हालांकि सुबह उठते ही एक गिलास पानी जरूर पिएं। इसके बाद किसी भी सब्जी का रस पिएं। फिर फ्रूट जूस जैसे, ऑरेंज जूस, पाइनेपल जूस ले सकते हैं। टमाटर, गाजर, बीट रूट का जूस हमेशा मिलाकर पिएं। इसके बाद बॉडी के लिए वॉटरमेलन जूस अच्छा रहेगा। इससे आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होगा और एनर्जी लेवल बढ जाएगा। शाम को पालक और खीरे का जूस पीना फायदेमंद होता है। सोने से पहले संतरा, सेब और अंगूर का मिक्स्ड जूस पिएं। इस डाइट को तीन दिन तक फॉलो करें। जब तीन दिन पूरे हो जाएं, तो बस हल्का खाना जैसे, प्लेन राइस, दाल, सूप, दही आदि 4-5 दिन तक खाएं। इन दिनों में दिनभर में लगभग दो से तीन गिलास जूस भी पीते रहें। अब आप अपनी नॉर्मल डाइट पर आ सकते हैं। हां, यह ख्याल रखें कि आपकी इटिंग हैबिट्स कंट्रोल में रहें। हाई क्वालिटी खाना जरूर खाएं।

हरा धनिया खाने में जायका ही नहीं सेहत के लिए लाभकारी

धनिया भारतीय रसोइर में प्रयोग की जाने वाली एक सुंगधित हरी पत्ती है जो कि भोजन को और भी स्वादिष्ट बना देती है। सामान्यत : इसका उपयोग सब्जी की सजावट और ताजे मसाले के रूप में किया जाता है लेकिन इसका सेवन करने से कई लाभ हैं। धनिया के बीज तो मसालों में पीस कर इस्तेमाल किए ही जाते हैं, इसकी हरी हरी पत्तियों का प्रयोग भी कई तरह से किया जाता है। यह भोजन को जायकेदार बनाने के साथ-साथ विभिन्न तत्वों के बीच संतुलन भी लाती है। इसीलिए यूरोप और एशिया में पिछले सात हजार सालों से भोजन में इसके प्रयोग के प्रमाण मिलते हैं। इसमें लिपिड स्टार्च, पेक्टिन, पायननि, डिपेंटीन, अमीनो एसिड और सिटोस्टेरॉल्स भी पर्याप्त में पाए जाते है। हरी धनिया में प्रोटीन, वसा, फाइबर, विटामिन सी, कार्बोहाइड्रेट और कैल्शियम, आयर्न, थियामीन जैसे महत्वपूर्ण खनिज पदार्थ भी पाए जाते हैं जो हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होते हैं। हरी धनिया को किसी भी व्यंजन में डालने से उस चीज का स्वदा तो बढता ही हैं, लेनिक क्या आप जानते हैं कि धनिया के पत्तों में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों का समावेश भी होता है। हरा धनिया पीसकर, गंजे पर लेप करें। कुछ दिनों के इस उपचार से बाल आने लगते हैं। हरा धनिया हमारे चेहरे की खूबसूरती को बढाने के लिए भी बहूत ही उपयोगी हैं, यदि आपके चेहरे पर मुंहासे हैं, तो आप थोडी सी हल्दी लेकर उसे धनिया के रस में मिलाएं तथा उसे चेहरे पर नियमित रूप से लगायें। ऐसा करने से चेहरे पर मुंहासों की समस्या दूर हो जाती है और चेहरा साफसुथरा होने लगता है।

पेट स्वस्थ हो तो सारा दिन शरीर भी तंदुरूस्त रहता है। अगर किसी के कारण पाचन या पेट से जुडी कोई परेशानी हो जाए तो इसके साथ सेहत संबंधी और भी बहुत सी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं। पेट का साफ न होना, गैस, पेट दर्द, भूख न लगना आदि इसी से संबंधित समस्याएं हैं, जिससे हर 5 में से 3 लोग परेशान रहते हैं। आप दवाइयां खाने की बजाय दादी-नानी के कुछ घरेलू तरीके अपना कर पेट के साथ-साथ और भी बहुत सी समस्याओं से राहत पा सकते हैं।

पेट से जुड़ी हर परेशानी को दूर करेंगे ये नुस्खे

पेट दर्द से राहत

पेट में दर्द रहता है को थोड़ी सी लाल मिर्च के साथ गुड मिलाकर खाने से दर्द दूर हो जाता है। दर्द को आराम नहीं आ रहा तो डॉक्टर से संपर्क करके इसी वजह जानना भी बहुत जरूरी है।

कब्ज से छुटकारा

सुबह पेट साफ न हो तो सारा दिन शरीर में भारीपन महसूस होता रहता है। पेट को साफ करने के लिए 1 चम्मच बेकिंग सोड़ा को 1 गिलास पानी में डाल कर पी लें। सुबह कब्ज दूर हो जाएगी।

पेट स्वस्थ रखने के नियम

पेट को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान का सही होना बहुत जरूरी है। सुबह उठकर खाली पेट पानी पीएं। दोपहर का खाना खाने के बाद लस्सी और रात के खाने के बाद दूध पीने से पेट हमेशा स्वस्थ रहता है।

भूख बढ़ाएं

पाचन क्रिया में गड़बड़ी हो तो भूख लगना भी कम हो जाता है। ऐसे में थोड़ी-थोड़ी देर में काला नमक चाटना चाहिए। इसके अलावा भूख कम लगती है तो सरसों के तेल में बना खाना खाएं। इससे पाचन क्रिया भी बेहतर होनी शुरू हो जाएगी।

खाली पेट न खाएं ये चीजें

इस बात को ध्यान रखें कि जिन चीजों से पेट में एसिड बनता है उनका सेवन सुबह के समय न करें। मसालेदार भोजन, खट्टे फल, टमाटर, सोडा, शराब, कॉफी और चाय आदि।

आंवला है फायदेमंद

आवंला पेट के लिए रामबाण का काम करता है। रोजाना एक कप पानी में 2 चम्मच आंवले का रस डालकर पीएं। इसका सेवन करने से शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। जिससे पेट स्वस्थ रहता है।

मजबूत पाचन तंत्र

अपने खाने में फाइबर युक्त भोजन शामिल करें। अंकुरित अनाज, फल, जूस आदि से शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं और पेट भी साफ रहता है। इससे साथ ही फाइबर खाने से मोटापा भी कम होने लगता है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम छाटा में लगाया पौधा

पाटन। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज ग्राम पंचायत छाटा मे एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपन किया गया , जिसके अन्तर्गत जाम , जामुन तथा करौंदा के पौधों का रोपन किया गया । इस अवसर पर हमारे गांव के युवा सरपंच श्री कमलेश चेलक, रोजगार सहायक राजेन्द्र देशलहरे ,सक्रिय महिला सदस्य सुनीता नायक , सरिता साहू ,तथा पंच परमानंद चंदेल , पंचायत के कम्प्यूटर आपरेटर ओम नायक एवम् ग्रामीण जय निषाद , संदीप साहू , कामताप्रसाद चंदेल, हरसेवक आदि लोग उपस्थित हुए , तथा हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान को सफल बनाने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

रायपुर की अनुराधा ठेठवार मिसेज़ इंडिया classic चुनी गई...

रायपुर। ...colors इवेंट्स द्वारा आयोजित विगत दिनों रायपुर के एक मॉल में फैशन कॉम्पिटिशन में मिस्टर मिस एंड मिसेस =का आयोजन हुआ जिसमे शहर की अनुराधा ने मिसेस केटेगरी में मिसेज इंडिया क्लासिक का ख़िताब अपने नाम किया। अनुराधा छत्तीसगढ़ में फैशन फील्ड में काफी लम्बे समय से काम कर रहीं है, शादी के बाद भी उन्होंने खुद को इस फील्ड से जोड़े रखा जिसका श्रेय अपने पति राहुल ठेठवार को देती हैं। वे इससे पहले भी मिसेस छत्तीसगढ़ इंडिया 2025 का ताज जीत चुकी है। अनुराधा एक गृहणी और एक बेटी की माँ है, उनकी रूचि प्रारंभ से ही पढ़ाई के साथ साथ फैशन और मॉडलिंग फील्ड में रही है साथ ही साथ सोशल फील्ड से भी जुड़ी है जिसमें वह समय समय पर जन कल्याणकारी कार्य करती रहती हैं। उनका मानना है की खुद पे विश्वास और सकरात्मक विचारों के बल पर जीवन में किसी भी छेत्र पर सफलता हासिल की जा सकती है। मिस्टर मिस एंड मिसेस के आयोजन में उन्होंने रैंप पर न सिर्फ अपनी सुंदरता का जलवा बिखेरा बल्कि निर्णायकों के द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब से भी लोगो का दिल जीता, उन्होंने आगामी योजनाओं में हेल्थ अवेर्नेस की अपना भरपूर समय के साथ अपना योगदान देने की बात कही। अनुराधा ने बताया कि मिस्टर, मिस,एंड मिसेज इंडिया क्लासिक - 2025 का आयोजन magneto मॉल में मंगलवार को हुवा जिसमें देशभर से 30 प्रतिभागियो में से 4 का सलेक्शन फाइनल राउन्ड के द्यद्ब4द्द हुवा। फाइनल से पहले दो अलग-अलग राउंड में 200 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए थे। जिसमें प्रतिभागियों को ट्रेडिशनल और फॉर्मल रांउड से गुजरते हुए निर्णायकों के सवालों का जवाब देना था। पूर्व में अनुराधा ठेठवार पहले भी मिसेज छत्तीसगढ़ इंडिया 2025 की विनर रही है। जल्द मुझे मिसेज वर्ल्ड और मिसेज यूनिवर्स ब्यूटी contest के लिए जाना है जिसकी तैयारी प्रारम्भ हो चुकी है।

सट्टा लिखते एक आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले की थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने आपरेशन प्रहार के तहत सटोरियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके खिलाफ छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम एवं धारा 112 बीएनएस के तहत कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर शनिचरी फर्नीचर दुकान के पीछे गली में दबिश देकर आरोपी दीपक गंधर्व उर्फ भांचा पिता स्व. सुखदेव गंधर्व उम्र 23 वर्ष निवासी चिंगराजपारा मुक्तिधाम के पास थाना सरकण्डा जिला बिलासपुर छ.ग को अको में रूपये पैसों का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिखते हुए सट्टा खिलाते पकड़ा गया।

सफलता की कहानी : रागी से गूंजेगा समृद्धि का राग : जिले में 400 हेक्टेयर में होगी खेती

कम लागत में किसानों को मिलेगा ज्यादा फायदा

इस साल समर्थन मूल्य भी लगभग 600 रूपये बढ़ा

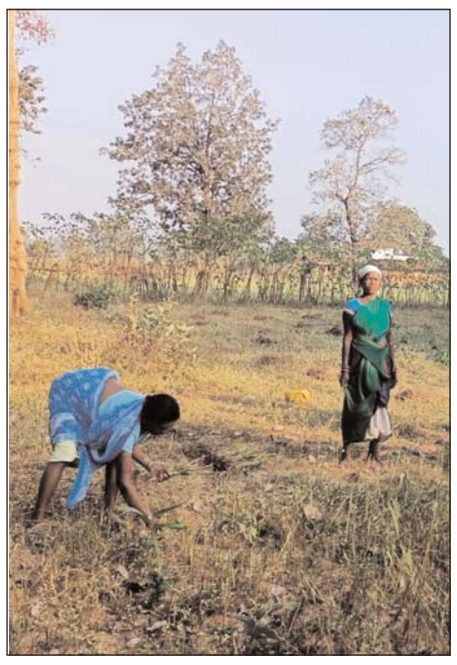

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ धमतरी जिले में रागी की खेती किसानों की आय बढ़ाने का बेहतर विकल्प बनेगी। इस बार चालू खरीफ मौसम नगरी, मगरलोड विकासखण्ड के कई गांवों और धमतरी विकासखण्ड के डूबान क्षेत्र में लगभग 400 हेक्टेयर रकबे में रागी की खेती की जाएगी। इसके साथ ही कृषि विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर लगभग 200 एकड़ रकबे में रागी का बीज उत्पादन भी किया जाएगा। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले में रागी की खेती को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर की पहल पर ही कृषि विभाग द्वारा रागी का बीज कलारतराई प्रक्रिया केन्द्र में भण्डारित भी किया जा चुका है। पौष्टिक और पोषक तत्वों से भरपूर रागी एक मोटा अनाज है, जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार देता है। इसकी खेती की लागत कम होती है और किसानों को फायदा ज्यादा होता है। केन्द्र सरकार ने इस वर्ष रागी के समर्थन मूल्य में भी 596 रूपये की बढ़ोत्तरी की है। वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने रागी का समर्थन मूल्य 4 हजार 886 रूपये प्रति क्विंटल रखा है।

कृषि विभाग के उपसंचालक श्री मोनेश साहू ने बताया कि रागी की खेती के लिए जिले में किसानों का चिन्हांकन किया जा रहा है। चिन्हांकित किसानों को रागी के उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही 200 एकड़ में रागी बीज उत्पादन कार्यक्रम भी लिया जाएगा। रागी का बीज उत्पादन करने के लिए इच्छुक किसान कलारतराई और मरौद बीज प्रक्रिया केन्द्रों में सम्पर्क कर पंजीयन करा सकते हैं। किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से भी रागी की खेती के लिए बीज आदि उपलब्ध कराने सम्पर्क कर सकते हैं। उप संचालक ने बताया कि रागी के खेती के इच्छुक किसान जिला प्रशासन के कृषार्थ वॉट्सएप चैनल पर भी सर्वे पत्र भरकर रागी के बीज आदि की मांग कर सकते हैं।

उप संचालक ने बताया कि रागी की खेती के लिए कम पानी की जरूरत होती है। ऐसे में पानी की कमी वाले क्षेत्रों के लिए यह फसल वरदान साबित हो सकती है। रागी की खेती में ज्यादा उर्वरकों या कीटनाशकों की जरूरत नहीं होती, जिससे किसानों की उत्पादन लागत में कमी आती है और मुनाफा ज्यादा होता है। श्री साहू ने बताया कि रागी पोषण से भरपूर फसल है। इसमें आयरन, कैल्शियम, फायबर और प्रोटिन भरपूर मात्रा में होते हैं। रागी का सेवन हड्डियों की मजबूती, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और वजन को कम करने में मदद करता है। उप संचालक ने बताया कि पोषक गुणों के कारण रागी का उपयोग रोटियों, दलिया या अन्य रूप में भी किया जाने लगा है। मिलेट मिशन के तहत शुरू हुए मिलेट्स कैफे भी तेजी से लोकप्रिय हुए हैं, जिससे रागी की मांग बढ़ी है। प्रति एकड़ 8-10 क्विंटल उत्पादन से समर्थन मूल्य पर भी किसानों को लगभग 50 हजार रूपये प्रति एकड़ की आमदनी हो सकती है। रागी की खेती किसानों की आय बढ़ाने से लेकर पोषण सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसीलिए किसानों को रागी की खेती के लिए तेजी से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अवैध प्रवासियों/विदेशी नागरिकों के संबंध में पुलिस अधीक्षक महोदय ने जिले के मजदूर ठेकेदारों की ली मीटिंग

बाहर से आने वाले सभी मजदूरों का पुलिस वेरिफिक्रेशन हुआ अनिवार्य,ठेकेदारों की रहेगी जिम्मेदारी

धमतरी पुलिस,आम जनता से भी अपील करती है की बाहर से आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी पुलिस को दें

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। पुलिस अधीक्षक महोदय श्री सूरज सिंह परिहार ने अवैध प्रवासियों/विदेशी नागरिकों के संबंध में जिले के मजदूर ठेकेदारों की मिटिंग लिया।

इसका मुख्य उद्देश्य अवैध बांग्लादेशियों रोहिंग्या इत्यादि की पड़ताल करना है इसके अतिरिक्त बाहर से आने वाले मजदूर कहीं अपराध या लूट,हत्या का आरोपी यहां आकर कहीं मजदूरी तो नही कर नही कर रहा है,इसका पुलिस वेरिफिक्रेशन होने से पता लगाया जा सकता है।

बाहर का कोई गुम इंसान को कहीं बंधुआ मजदूर बनाकर कोई कार्य तो नहीं ले रहा है,इसकी जानकारी पुलिस को होने से उनका तत्काल वेरिफिक्रेशन के माध्यम से पता लगाया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी ठेकेदारों निर्देशित भी किया कि आप लोगों के बीच कहीं मजदूर के रुप बांग्लादेशी रोहिंग्या जैसे लोग तो मजदूर बनके कार्य तो नही कर रहे हैं।

मीटिंग में बाहर से आने वाले मजदूरों का पुलिस वेरिफिक्रेशन कराने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही स्वयं ठेकेदार भी उनका आधार कार्ड,फोटो, मोबाईल नंबर सहित जानकारी रखने के लिए निर्देशित किया गया।

बाहर से आने वाले मजदूरों की जानकारी अनिवार्य रूप से संबंधित थाने को देने के लिए निर्देशित किया गया।

इसलिए आप बाहर से आने वाले सभी मजदूरों की जानकारी संबंधित थाना में देकर उनका वेरिफिक्रेशन अवश्य करावें। आप सभी को फॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है, फॉर्म में जानकारी भरकर पुलिस को देना सुनिश्चित करेंगे।

ऐसे अवैध प्रवासी नागरिक अधिकारों का उल्लंघन करने के साथ-साथ गंभीर सुरक्षा की चुनौतियां भी पैदा कर सकते है। पुलिस द्वारा कानून सम्मत प्रक्रिया के तहत ऐसे तत्वों की पहचान आवश्यक है। अत: इस संबंध में आवश्यक अभियान चलाकर गहन जॉच की कार्यवाही किये जाने हेतु जिला स्तरीय मॉनिटरिंग अधिकारी श्री मणिशंकर चंद्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला धमतरी मोबाईल नंबर 94791-92201 को नियुक्त किया गया है।

उक्त मिटिंग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मणिशंकर चन्द्रा एवं श्रम पदाधिकारी श्री नंदकिशोर साहू, श्रम उप निरीक्षक श्रीमती मनीषा साहू एवं ठेकेदार संघ के अध्यक्ष श्री तिलक देवांगन सहित लगभग 35 से 40 की संख्या में ठेकेदार उपस्थित रहे।

पतोरा में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत पतोरा में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन में पौधरोपण किया गया इस अवसर पर सरपंच भुनेश्वर प्रसाद साहू ने कहा की हम सब को माँ के नाम एक पेड़ लगाकर पौधा से पेड़ बनते तक देखभाल व सेवा करना चाहिए जब पेड़ बड़े होंगे तो पूरा गांव खेत खलिहान हरा भरा होगा तथा जल संरक्षण करके वर्षा के जल को घरों में सोख्ता गड्ढा के माध्यम से जमीन के अंदर तक पहुचना है ताकि धरती में जल का स्तर बनी रहे उक्त कार्यक्रम में सचिव महेन्द्र कुमार साहू द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को जल संकल्प कराया गया उक्त अवसर पर उपसरपंच देवचरण कौशल, ब्लाक क्राडनेटर वाटरएड लोकेश साहू, मनोज साहू पंच, श्रीमती दीपक साहू पंच, दिलेश्वरी साहू पंच,सरस्वती साहू पंच, क्षमा कुर्रे सचिव, पुरुषोत्तम कुर्रे, जमुना ठाकुर, हेमलता सोनवानी, अहिल्या साहू, भुनेश्वरी देवांगन, धानवाई साहू, दुलेश्वरी साहू,किरण श्रीवास,सोहद्रा साहू, लक्ष्मी साहू,सावित्री साहू, शालिनी देवांगन, ओमप्रकाश वर्मा, गोपाल देवांगन, नोमेन्द्र मंडावी सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर आकर्षक पुरस्कार की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने प्रमुख गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर एक आकर्षक सीमित-अवधि के ऑफर की घोषणा की है। मूल रूप से 129,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलने वाला गैलेक्सी S25 अल्ट्रा अब केवल 117,999 रुपये में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर इस विशेष कीमत में 12,000 रुपये का इंस्टेंट कैशबैक भी शामिल है। उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाते हुए, गैलेक्सी S25 अल्ट्रा 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ भी उपलब्ध है। अधिक किफायती विकल्प चाहने वाले उपभोक्ता 3,278 रुपये प्रति माह से शुरू होने वाली नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं। ये विशेष ऑफर्स ग्राहकों को सैमसंग के प्रमुख गैलेक्सी S25 अल्ट्रा को आजमाने का बेहतरीन मौका देते हैं। इस स्मार्टफोन ने एक सच्चे एआई साथी की तरह नया मानक स्थापित किया है और सैमसंग का अब तक का सबसे स्वाभाविक और समझदारी से भरा मोबाइल अनुभव देता है। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर, मल्टीमोडल क्षमताओं के साथ एआई एजेंट्स को वन यूआई 7 प्लेटफॉर्म में शामिल किया गया है, जो ऐप्स के बीच जटिल कार्यों को आसानी से करने और स्पीच, टेक्स्ट, वीडियो और तस्वीरों के माध्यम से यूजर्स इंटरैक्शन को सक्षम करता है। नाउ ब्रीफ दिनभर के लिए विशिष्ट रूप से तैयार सुझाव देता है और नाउ बार चल रही गतिविधियों के लिए एक नया हब प्रदान करता है। राइटिंग असिस्ट से प्रोडक्टिविटी बढ़ी है और ड्रॉइंग असिस्ट की मदद से असीमित रचनात्मकता का अनुभव कर सकते हैं। गैलेक्सी एआई की विस्तारित क्षमताएं यूजर्स को उनके दैनिक जीवन के हर पहलू में सशक्त करती हैं। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा के साथ इंटरैक्शन अब पहले से भी ज्यादा सुविधाजनक और स्मार्ट हो गया है। अब केवल एक कमांड पर जेमिनी आपके पसंदीदा स्पोर्ट्स टीम का शेड्यूल ढूंढकर सीधे सैमसंग कैलेंडर में जोड़ सकता है। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा गैलेक्सी के लिये स्नैपड्रैगन 0 8 एलिट मोबाइल प्लेटफॉर्म द्वारा पावर्ड है, जो ऑन- डिवाइस एआई प्रोसेसिंग को और भी तेज़ और रेस्पॉन्सिव बनाता है। यही नहीं, इसमें अपग्रेडेड रे ट्रेसिंग टेक्नोलॉजी दी गई है, जो मोबाइल गेमिंग को और भी स्मूद और रियलिस्टिक बनाती है।

भूतों से बात करने वाली नोयोनतारा से मिलिए: कलर्स ला रहा है एक घोस्ट-व्हिस्परर की कहानी - 'नोयोनतारा'

मुंबई: जबकि इंडियन प्रीमियर लीग की गूंज धीरे-धीरे थम रही है, कलर्स मनोरंजन की दुनिया में एक नया तूफान लेकर आ रहा है ङ्क 'नोयोनतारा', एक अनोखा अलौकिक थ्रिलर जो देश को रोमांच से भर देगा। 23 साल की नोयोनतारा आत्माओं से बात कर सकती है, इसलिए वह हमेशा समाज के हाशिए पर रही और अपने दुर्लभ वरदान के कारण उपहास की पात्र बनती रही। लेकिन उसकी ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब वह डॉ. सुरजो से शादी करती है, जिसे केवल विज्ञान और तर्क पर ही विश्वास है लेकिन वह अपने अतीत की पीड़ा में डूबा हुआ है। जब नोयोनतारा अपने ससुराल, भव्य और रहस्यमयी 'परी महल' में कदम रखती है, तो वह ऐसे जाल में फंस जाती है जहां बीते राज़ कभी दफन नहीं होते। उसका सबसे अजीब लेकिन मज़ेदार साथी बनता है हसिराम नाम का एक 'मस्तीखोर' भूत, जिसके साथ वह हवेली के लालच और भूले- बिसरे सच के इतिहास को सामने लाना शुरू करती है। उसका सामना दो महिलाओं से होता है, लता और ललिता, वे दोनों ही खुद को उसकी सास बताती हैं। एक उसे अपने बेटे सुरजो को मौत से भी बदतर अंजाम से बचाने को कहती है, जबकि दूसरी नोयोनतारा के 'वरदान' का इस्तेमाल अपने बुरे इरादों के लिए करना चाहती है। जैसे-जैसे सच्चाई और छल के बीच की परतें धुंधली होती जाती हैं, नोयोनतारा के सामने एक सवाल खड़ा होता है — आखिर कौन उसे सही दिशा दिखा रहा है... और कौन उसे किसी जाल में फंसा रहा है? श्रद्धा भिस्ट (नोयोनतारा), अर्जुन चक्रवर्ती (सुरजो) और नारायणी शास्त्री (ललिता) के मुख्य किरदारों से सजी 'नोयोनतारा' का प्रीमियर 9 जून को रात 8:30 बजे होगा, और फिर रोज़ाना इसी समय पर केवल कलर्स पर प्रसारित होगा। नोयोनतारा की भूमिका को जीवंत करने के लिए तैयार, श्रुति भिस्ट कहती हैं, नोयोनतारा जैसे सुपरनेचुरल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक चुनौती है। यह एक ऐसी दुनिया की कहानी है जहां ज़िंदा लोगों ने रहस्यों का पर्दा ओढ़ा हुआ है और मरे हुए अक्सर वैसे नहीं होते जैसे वे दिखाई देते हैं। इस शो की सबसे दिलचस्प बात यह है कि दर्शकों को आत्माओं को लेकर बिल्कुल अनपेक्षित नज़रिया देखने को मिलेगा — अच्छी आत्माएं, रक्षक आत्माएं, और वे जिन्हें अब तक गलत समझा गया है।

खेती में नवाचार : धमतरी में 20 एकड़ में शुरू हुई मखाने की खेती

सफलता की कहानी : आगामी नवम्बर महीने में 100 एकड़ रकबे में खेती की योजना

कृषि विज्ञान केन्द्र से मिलेंगे मखाने के पौधे, किसानों को ट्रेनिंग भी मिलेगी

मखाना उत्पादन से धमतरी को मिलेगी नई पहचान

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ धमतरी जिले में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा की पहल पर किसानों ने मखाने की खेती शुरू कर दी है। जिले के कुरूद विकासखण्ड के राखी और धमतरी विकासखण्ड के सरसोंपुरी तथा दरगहन गांवों में लगभग 20 एकड़ रकबे में तालाबों में मखाने की फसल लगी है। जिसके लिए कलेक्टर श्री मिश्रा ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को धमतरी बुलाकर किसानों को मखाने की खेती के बारे में जानकारी दिलाई थी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी किसानों को मखाने की खेती से होने वाले फायदों को बताकर उन्हें प्रेरित किया था। किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया था। जिला प्रशासन ने आगामी नवम्बर महीने में 100 एकड़ रकबे में मखाने की खेती कराने की योजना बना ली है। किसानों को मखाने के पौधों कृषि विज्ञान केन्द्र में तैयार कर उपलब्ध कराए जएंगे। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बताया कि अभी देश में मखाने की सबसे अधिक खेती बिहार में होती है। अब धमतरी से इसकी खेती से किसानों को अच्छा फायदा तो होगा ही साथ ही धमतरी को एक नई पहचान भी मिलेगी।

कृषि वैज्ञानिकों ने धमतरी जिले के मौसम और लो-लैण्ड खेतों को मखाने की खेती के लिए उपयुक्त बताया है। जिले में मखाना उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए बड़े पैमाने पर मखाने की खेती करने किसानों को तैयार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि मखाने की खेती के लिए किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। मखाने के बीज से लेकर फसल की देखरेख और अच्छे उत्पादन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। किसानों को इस बारे में पूरी जानकारी देने के लिए मखाने के खेतों का भी भ्रमण कराया जाएगा। कलेक्टर ने मखाने की खेती के लिए किसानों को कृषि और उद्यानिकी विभाग से शासकीय अनुदान और सहायता भी उपलब्ध कराने की बात कही है। कलेक्टर ने मखाने के प्रोसेसिंग के लिए स्थानीय स्तर पर यूनिट लगाने के लिए उद्योग विभाग और नाबार्ड के अधिकारियों से भी बात की है।

धान के बदले मखाना से मिल सकता है दुगुना फायदा- कृषि विशेषज्ञों-वैज्ञानिकों का कहना है कि धान के बदले मखाना की खेती से किसान दो गुना फायदा ले सकते है। एक एकड़ धान की खेती से किसानों को जहां औसतन 75 हज़ार रुपए का फायदा मिलता है, वहीं एक एकड़ में मखाना की खेती से औसतन डेढ़ लाख रुपये तक का लाभ मिल सकता है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि मखाने की फसल छह माह की अवधि की होती है। यह फसल एक फीट से लेकर डेढ़ फीट तक के पानी से भरे खेत में ली जाती है। एक एकड़ रकबे में लगभग चार हज़ार पौधों का रोपण किया जाता है, जिससे औसतन दस क्विंटल उपज मिलती है। कृषि वैज्ञानिकों का मत है कि छतीसगढ़ में उगने वाला मखाना साइज में बड़ा और स्वाद में अन्य राज्यों के मखाने से बेहतर है। इसे बीज के रूप में बेचने पर डेढ़ से दो लाख रुपए प्रति एकड़ और प्रोसेसिंग कर बेचने पर प्रति एकड़ तीन लाख रुपए तक का फायदा हो सकता है।

खबर-खास

स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर न्यू कल्पना रेस्टोरेंट पर जुर्माना

कवर्धा (समय दर्शन)। बस स्टैंड स्थित न्यू कल्पना रेस्टोरेंट में गंदगी फैलाने और सड़क पर कचरा फेंकने की शिकायत पर नगरपालिका की खाद्य सुरक्षा टीम ने सख्त कार्रवाई की। जांच के दौरान रेस्टोरेंट में साफ-सफाई की गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। टीम ने मौके पर ही रेस्टोरेंट संचालक पर ?1000 का जुर्माना लगाया और भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराने की कड़ी चेतावनी दी। नगर पालिका प्रशासन ने साफ कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, नगरपालिका अधिकारियों ने दुकानदारों और रेस्टोरेंट संचालकों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखें और कचरा निर्धारित स्थानों पर ही फेंकें, अन्यथा जुर्माना और सख्त दंड के लिए तैयार रहें।

कार्यक्रम में दिए थे एक्सपायरी सामान- शहर के इंदिरा चौक में संचालित न्यू कल्पना रेस्टोरेंट ने पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी रायपुर बिलासपुर बायपास निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम में नाश्ता और बिस्किट सप्लाई किया था, जो एक्सपायरी हो चुके था। इसे ध्यान में रखते हुए नगर पालिका व खाद्य टीम ने बुधवार को न्यू कल्पना रेस्टोरेंट में दबिश दी। खाद्य टीम ने पाया कि रेस्टोरेंट में गंदगी व्याप्त है। रेस्टोरेंट की गंदगी व कचरों को सड़क में खुलेआम फेंका जा रहा था। जांच टीम ने न्यू कल्पना रेस्टोरेंट में व्याप्त गंदगियों को देखते हुए ?1000 का जुर्माना करते हुए रेस्टोरेंट संचालक को चेतावनी दी तथा साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने को कहा। रेस्टोरेंट के कचरे को कूड़ेदान में डालें, सड़क पर ना डालें। कवर्धा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के संकल्प को साकार करने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता आंदोलन में सहयोग करने की बात कही।

परिक्षेत्र पारसूली के द्वारा वृक्षा रोपण

गरियाबंद। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप मनाया जाता है ।इसी के तहत वन परिक्षेत्र पारसूली के परिक्षेत्र अधिकारी कर्मचारी के साथ जनप्रतिनिधियों के द्वारा इस अवसर पर गोड़वाना समाज भवन ग्राम परसुली और वन परिक्षेत्र परसुली में जामुन,कटहल,आम,पीपल,बरगद,नीम, पौधों का मुख्य अथिति श्रीमति लेशवरी नागेश सरपंच परसुली,उपसरपंच मन्नू लाल ठाकुर,पंचायत के पदाधिकारी गण,ग्राम पटेल,ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों एवम समस्त स्टॉफवन परिक्षेत्र परसुली की उपस्थिति में वृक्षारोपण कर कार्य संपन्न किया गया। कार्यक्रम में परिक्षेत्र अधिकारी दुर्गा प्रसाद दीक्षित ने कहा कि वृक्षारोपण हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल हमें शुद्ध हवा और ऑक्सीजन प्रदान करता है, बल्कि जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है ।वृक्षारोपण से मिट्टी का कटाव रुकता है और जल संरक्षण में भी सहायता मिलती है। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के इस युग में,वृक्षारोपण एक प्रभावी उपाय है जो हमारे पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखने में सहायक है।

भूतों से बात करने वाली नोयोनतारा से मिलिए: कलर्स ला रहा है एक घोस्ट- व्हिस्पिरर की कहानी - 'नोयोनतारा'

मुंबई: जबकि इंडियन प्रीमियर लीग की गूंज धीरे-धीरे थम रही है, कलर्स मनोरंजन की दुनिया में एक नया तूफान लेकर आ रहा है ङ्क 'नोयोनतारा', एक अनोखा अलौकिक थ्रिलर जो देश को रोमांच से भर देगा। 23 साल की नोयोनतारा आत्माओं से बात कर सकती है, इसलिए वह हमेशा समाज के हाशिए पर रही और अपने दुर्लभ वरदान के कारण उपहास की पात्र बनती रही। लेकिन उसकी ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब वह डॉ. सुरजो से शादी करती है, जिसे केवल विज्ञान और तर्क पर ही विश्वास है लेकिन वह अपने अतीत की पीड़ा में डूबा हुआ है। जब नोयोनतारा अपने ससुराल, भव्य और रहस्यमयी 'परी महल' में कदम रखती है, तो वह ऐसे जाल में फंस जाती है जहां बीते राज़ कभी दफ्न नहीं होते। उसका सबसे अजीब लेकिन मज़ेदार साथी बनता है हसिराम नाम का एक 'मस्तीखोर' भूत, जिसके साथ वह हवेली के लालच और भूले- बिसरे सच के इतिहास को सामने लाना शुरू करती है। उसका सामना दो महिलाओं से होता है, लता और ललिता, वे दोनों ही खुद को उसकी सास बताती हैं। एक उसे अपने बेटे सुरजो को मौत से भी बदतर अंजाम से बचाने को कहती है, जबकि दूसरी नोयोनतारा के 'वरदान' का इस्तेमाल अपने बुरे इरादों के लिए करना चाहती है।

नमक का कर्ज और मलाई की भूख ,गरियाबंद में शिक्षा विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा

गरियाबंद (समय दर्शन)। भाजपा विष्णु राज में सबका साथ, सबका विकास का नारा अब सबका शोषण, अफ्सर का विकास में तब्दील होता नजर आ रहा है। गरियाबंद जिले में शिक्षा विभाग के कुछ अफ्सर इन दिनों नमक का कर्ज अदा करने में इस हद तक मशरूफहैं कि ईमान, पद और बच्चों की सुरक्षा सब ताक पर रख दी गई है ।

जिले के समन्वयक समग्र शिक्षा जिला अधिकारी ने अपने रिटायरमेंट से पहले जो स्क्रिप्ट लिखी, वो किसी फिल्मी विलेन से कम नहीं। भ्रष्टाचार की गहराइयों में डूबे इस अफ्सर ने गरियाबंद नगर के कस्तूरबा गांधी आवासीय कन्या विद्यालय की तत्कालीन अधीक्षिका को हटाने का षड्यंत्र रचा और उसकी जगह ऐसी शिक्षिका को बैठाने की जुगत भिड़ाई, जिसके नमक का स्वाद पहले ही चखा था।

इस साजिश में स्थानीय महिला होमगार्ड (जो अब इस दुनिया में नहीं हैं) को भी घसीटा गया। कहानी यहीं खत्म नहीं होती जब कलेन्दरी मरकाम को अधीक्षिका बनाकर विद्यालय भेजा गया, तो बच्चों की देखभाल भगवान भरोसे छोड़ दी गई । रात को 11 बजे बाल आयोग की शिकायत पहुंची की हॉस्टल में कोई जिम्मेदार नहीं है गार्ड और अधिक्षिका दोनों हॉस्टल से गायब है। इस दौरान कलेक्टर ने डी एम सी को देखने भेजा, डी एम सी साहब देखने के बजाय गार्ड के घर से उसे अपने वाहन में बिठा कर रात 12 बजे हॉस्टल का गेट खुलवाकर अंदर

कराये, और कहा की गार्ड तो है जबकि वंहा गार्ड उपस्थित ही नहीं थी। ऐसी ही घटना दुबारा हुई ज़ब रात्रिकालीन ड्यूटी से दोनों नदारद थे और दो बालिकाएं हॉस्टल से भाग गई। शर्मनाक यह कि न नई अधीक्षिका को पता चला और न होमगार्ड को। बाद में उन छात्राओं को परीक्षा से भी वंचित कर बाहर कर दिया गया। जांच हुई लेकिन क्या सच सामने आया? नहीं! जिला समन्वयक ने नई अधीक्षिका को 'बचाया', जैसे कोई गुनाह नहीं हुआ हो । घटना अखबार में छपी, जनाक्रोश पूरा, परंतु जिम्मेदारों ने लीपा-पोती कर मामला दबा दिया । स्वर्गीय गार्ड के फोन को खांगला जायेगा तो पता चलेगा की गार्ड को यह अधिकारी इतना फोन किस लिए किया करता था। जो शायद उसकी हत्या का कारण बना ।

इन सारी हरकतो के बाद भी एक बार जिसने रुपये थमाए, उसे फिर कुर्सी दिलाना शायद अफ्सर की नैतिक जिम्मेदारी बन गई थी। नमक का कर्ज जो चुकाना था!

पुरानी अधीक्षिका ने जब न्याय के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, तब जाकर कलेन्दरी मरकाम को वापस मैनपुर भेजने का आदेश तो दिया गया पर उसे वापस अधिक्षिका बनाने कमिटमेंट किया गया था इस लिए उसे कार्यालय में अटैच कर रखा गया, मानो निलंबन तय था जो पहले से अधिकारी को पता था । पर समन्वयक कहाँ रुकने वाले थे ? फिर बैठी झूठी जांच, रचे गए नए षड्यंत्र, और अंत में पुरानी अधीक्षिका को निलंबित करा कर ही अफ्सरशाही ने राहत की सांस ली।

यह मामला सिर्फ एक शिक्षिका का नही यह उदाहरण है कि किस तरह भ्रष्टाचार साठगांठ और सत्ताधारी की छत्रछाया में बच्चों के शिक्षा, सुरक्षा और महिला सम्मान को दांव पर लगाया जा रहा है।

अब सवाल जनता से है-

क्या यह सब देखकर भी हम चुप रहेंगे क्या बच्चों की सुरक्षा से बड़ा कोई अफ्सा नमक है? का

गरियाबंद के इस गोरखधंधे की ईमानदारी से जांच होनी चाहिए और दोषियों पर शख्त कार्यवाही होनी चाहिए वरना आने वाली पीढ़ी अफ्सन के इस नमक कर्ज मॉडल का ही शिकार बनते रहेगी ।

मानव मल के वैज्ञानिक निपटान के लिए सारंगपुरकला में जिले का पहला प्लांट शुरू

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चार फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण प्रगति पर।

कवर्धा (समय दर्शन)। ग्रामीण क्षेत्रों में मानव मल के सुरक्षित और वैज्ञानिक निपटान के लिए जिले का पहला फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बोड़ला विकासखंड के सारंगपुर कला में शुरू हो गया है। इसके अलावा जिले के सभी जनपदों में कवर्धा से दशरंगपुर, पंडरिया से कुंडा, और सहसपुर लोहारा से राजपुर में फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

सारंगपुर कला के साथ पंडरिया के कुंडा में दो प्लांट पूरी तरह से तैयार हो चुका है। कुंडा में भी प्लांट संचालन की स्थिति में हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक यह आम समस्या थी कि सेप्टिक टैंकों की समय-समय पर सफाई नहीं हो पाती थी और जब होती भी थी तो मल का निपटान खुले में या अनुचित स्थान पर किया जाता था, जिससे न केवल ग्रामीण वातावरण दूषित होता था बल्कि जनस्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। एफएस टीपी की स्थापना से इस समस्या का स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल समाधान मिल गया है।

राज्य कार्यालय से एक डी-स्लज वाहन जनपद बोड़ला के ग्राम पंचायत सारंगपुरकला के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसके माध्यम से जब किसी ग्रामीण का सेप्टिक टैंक भर जाता है, तो ग्राम पंचायत से संपर्क कर उसे खाली कराया जा सकता है। खाली किया गया मल का सुरक्षित प्रसंस्करण किया जाता है। भविष्य में जब सभी प्रस्तावित एफएस टीपी पूर्ण हो जाएंगे, तब हर जनपद के लिए डी-स्लज वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे समूचे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को इसका लाभ प्राप्त हो सकेगा।

कबीरधाम जिले का ग्राम सारंगपुरकला, वह स्थान है जहाँ जिले का प्रथम फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट संचालित किया गया है। इसके आसपास के गांवों के लोग ग्राम पंचायत से संपर्क कर अपने सेप्टिक टैंक की सफाई और मल निपटान की सुविधा ले सकते हैं।

कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा का कहना है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। जल्द ही सभी विकासखण्डों में शेष कार्य पूरा करने की प्राथमिकता है। इसके लिए जिला पंचायत सीईओ को विशेष निर्देश दिए गए है। जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत यह पहल न केवल ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है बल्कि पंचायत स्तर पर भी सतत स्वच्छता प्रबंधन को सशक्त बना रही है। हमारा प्रयास है कि भविष्य में प्रत्येक जनपद को एफएसटीपी और डी-स्लज वाहन की सुविधा मिले।

पिता की हत्या के आरोप में पुत्र गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। पांडातराई थाना पुलिस ने ग्राम महली (बैगापारा) निवासी रामगुलाल मेरावी पिता स्व. अमरसिंह मेरावी 40 वर्ष की हत्या के आरोप में उसी के पुत्र लवकेश कुमार मेरावी उर्फगजरू 19 वर्ष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि 2 जून को ग्राम महली के बैगापारा में एक व्यक्ति के हत्या की सूचना मिलते ही पांडातराई पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां ग्राम बगबुड़ा (महली) निवासी रामगुलाल मेरावी, पिता स्वर्गीय अमरसिंह मेरावी, 40 वर्ष का शव उसके घर के कमरे में चित अवस्था में मिला। गले में धारदार हथियार से हमला का स्पष्ट निशान था। मृतक के घर के आंगन में खून से सना एक

टंगिया भी मिला, जिससे घटना की गंभीरता और निर्ममता उजागर हुई। घटनास्थल के आसपास पूछताछ में ग्राम डेहरी पथरा निवासी गणपत धुर्वे एवं उनकी पत्नी नागिन धुर्वे के मौके पर मौजूद रहने तथा उनके भी घायल होने की जानकारी मिली। दोनों को थाना बुलाकर पूछताछ की गई, तब उसी के पुत्र लवकेश उर्फ गजरू मेरावी द्वारा हत्या करने का तथ्य सामने आया। उन्होंने बताया कि लवकेश ने अपने पिता पर तीर व टंगिया से जानलेवा हमला कर हत्या की तथा मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने तत्काल आरोपी पुत्र को हिरासत लेकर पूछताछ की तो आरोपी ने घटना में प्रयुक्त हथियार भी मौके से बरामद करवाया।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ईवा पुष्पेंद्र बघेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी पांडातराई आशीष कंसारी एवं उनकी टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए गंभीर हत्याकांड का शीघ्र खुलासा किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में पुलिस टीम द्वारा की गई संवेदनशीलता, सजगता और सतर्कता उल्लेखनीय रही, जिसके फलस्वरूप गंभीर अपराध का समय रहते खुलासा हो सका।

वन विभाग कवर्धा ने अतिक्रमणकारी के आरोपी को भेजा जेल

कवर्धा (समय दर्शन)। वन परिक्षेत्र पंडरिया (पूर्व) के अंतर्गत परिसर चतरी के कक्ष क्रमांक पी.एफ 527 में अतिक्रमण की सूचना मिलने पर निखिल अग्रवाल, वनमण्डलाधिकारी कवर्धा के निर्देशन, सुयश धर दीवान, उपवनमण्डलाधिकारी, पंडरिया के मार्गदर्शन एवं महेन्द्र कुमार जोशी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, पंडरिया (पूर्व) के कुशल नेतृत्व में वन परिक्षेत्र पंडरिया (पूर्व) एवं (पश्चिम) के वन अमला ने त्वरित कार्यवाही करते हुए वन क्षेत्र में किए गए अवैध कब्जे को खाली कराया। प्रकरण में संलिप्त आरोपी मानसिंह वल्द सूतन गोड़, मंगली, थाना कुकदूर, जिला-कबीरधाम के विरूद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 (1) क, धारा 33 (1) ग, धारा 33 (1) घ, धारा 33 (1) च एवं वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9 सहपठित धारा 2 (16), (ख), धारा 51 एवं लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3, 4 के तहत कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20712/19 दिनांक 01.06.2025 दर्ज किया एवं 3.06.2025 को जांच कार्यवाही के दौरान विधिवत आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्टेट्ट, पंडरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने आरोपी को 14 दिन के न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया है। अतिक्रमणरोधी कार्यवाही में चैनदास खुटियाले, उपवनक्षेत्रपाल, संतोष सिंह साकत, दिलीप कुमार चन्द्राकर, सुभाष चन्द्र भारद्वाज, जोधन सिंह ठाकुर, वनपाल, सुदर्शन साहू, अमरवीर सिंह मरकाम, उमेश्वरी श्याम, श्रीमती सीमा टांडिया, वनरक्षक ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर आकर्षक पुरस्कार की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने प्रमुख गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर एक आकर्षक सीमित-अवधि के ऑफर की घोषणा की है। मूल रूप से 129,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलने वाला गैलेक्सी S25 अल्ट्रा अब केवल 117,999 रुपये में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर इस विशेष कीमत में 12,000 रुपये का इंस्टेंट कैशबैक भी शामिल है। उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाते हुए, गैलेक्सी S25 अल्ट्रा 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ भी उपलब्ध है। अधिक किफायती विकल्प चाहने वाले उपभोक्ता 3,278 रुपये प्रति माह से शुरू होने वाली नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं। ये विशेष ऑफर्स ग्राहकों को सैमसंग के प्रमुख गैलेक्सी S25 अल्ट्रा को आजमाने का बेहतरीन मौका देते हैं। इस स्मार्टफोन ने एक सच्चे एआई साथी की तरह नया मानक स्थापित किया है और सैमसंग का अब तक का सबसे स्वाभाविक और समझदारी से भरा मोबाइल अनुभव देता है। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर, मल्टीमोडल क्षमताओं के साथ एआई एजेंट्स को वन यूआई 7 प्लेटफॉर्म में शामिल किया गया है, जो ऐप्स के बीच जटिल कार्यों को आसानी से करने और स्पीच, टेक्स्ट, वीडियो और तस्वीरों के माध्यम से यूजर्स इंटरैक्शन को सक्षम करता है। नाउ ब्रीफ दिनभर के लिए विशिष्ट रूप से तैयार सुझाव देता है और नाउ बार चल रही गतिविधियों के लिए एक नया हब प्रदान करता है।

जिले में नियमानुसार हुआ शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूर्ण

कलेक्टर श्री उईके ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। शासन के निर्देशानुसार शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया 3 जून तक पूर्ण कर ली गई है।इसी तारतम्य में आज कलेक्टर बी.एस.उईके ने प्रेसवार्ता में जिले में हुए सम्पन्न हुए युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने कहा कि शासन के नियमानुसार युक्तियुक्त करण प्रक्रिया पूर्ण हो गई है।साथ ही नियमानुसार अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना भी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि गरियाबंद जिले में 1 से 3 जून के मध्य विभिन्न शिक्षक संवर्गों के अतिशेष शिक्षकों की ओपन काउंसलिंग के तहत युक्तियुक्त करण करते हुए रिक्त स्थान वाले शालों में पदस्थापना आदेश जारी की गई है। युक्तियुक्तकरण से पूर्व मैनपुर के दूरस्थ क्षेत्रों में 6 शिक्षकविहीन एवं 69 एकल शिक्षकीय शाला थे,जिसमे शिक्षकों की पूर्ति हो गई है,अब सिर्फ 13 शाला एकल शिक्षकीय बच गये हैं।इसी तरह देवभोग ब्लॉक में 4 शिक्षक विहीन तथा 30 एकल शिक्षकीय शाला थे,6 हाई स्कूल भी एकल शिक्षकीय थे परंतु फिंगेश्वर ब्लॉक ई स्वर्ग के अतिशेष शिक्षकों से इन पदों की भरपाई हो गई,अब देवभोग ब्लॉक में कोई भी शाला शिक्षक विहीन या एकल शिक्षकीय नहीं रहा।कलेक्टर ने बताया कि ई संवर्ग के 81 तथा टी संवर्ग के 133, कुल 214 सहायक शिक्षकों,6 प्राथमिक शाला प्रधान पाठकों,25 ई संवर्ग तथा 81 टी संवर्ग,कुल 106 शिक्षकों,एक मिडिल स्कूल प्रधान पाठक,तीन विज्ञान शिक्षक तथा 76 व्याख्याता के पद स्थापना आदेश जारी किए गए है।इस दौरान प्रेसवार्ता ने अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय,नवीन भगत,जिला शिक्षा अधिकारी एके. सारस्वत सहित जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे। कलेक्टर श्री उईके ने प्रेसवार्ता में बताया कि ओपन काउंसलिंग के माध्यम से तथा शासन के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ शिक्षकों की कमी वाले शालाओं में विषयवार रिक्तता के आधार पर पदस्थापना की गई है तथा तत्काल आदेश जारी कर जॉइनिंग के निर्देश दिए गए हैं। युक्तियुक्तकरण से दूरस्थ अंचलों के विशेष कर मैनपुर एवं देवभोग के शिक्षकों की कमी वाले शालाओं में शिक्षकों की पूर्ति हुई है।ओपन काउंसलिंग के माध्यम से तथा शासन के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ शिक्षकों की कमी वाले शालाओं में विषयवार रिक्तता के आधार पर पदस्थापना की गई तथा तत्काल आदेश जारी कर जॉइनिंग के निर्देश दिए गए हैं। काउंसलिंग प्रक्रिया में अनुपस्थित एवं असहमत रहने वाले शिक्षकों की पदस्थापना लाटरी पद्धति से की गई। शासन की गाइडलाइन के अनुसार वरिष्ठ शिक्षकों,महिलाओं,दिव्यांगों तथा मान्यता प्राप्त संगठनों के पदाधिकारियों को वरीयता दी गई।ई संवर्ग में विषयगत रिक्तता न होने के कारण कुछ शिक्षकों की पदस्थापना नहीं की जा सकी,जिनकी सूची उच्च कार्यालय को प्रेषित की जाएगी। दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचल में वर्षों से रिक्त पदों की पूर्ति होने से,आम जनों, जनप्रतिनिधियों,पालकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया है।जिले में निर्बाध गति से काउंसलिंग की प्रक्रिया नियमानुसार संपन्न कराने में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारियों का योगदान रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-बालोद (छ.ग.)

//निविदा सूचना//

क्रमांक/आब./निविदा/2025/2365 बालोद, दिनांक 03/06/2025

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि शासन के निर्देशानुसार बालोद नगर पालिका परिषद क्षेत्र में प्रीमियम रेंज की विदेशी मदिरा विक्रय हेतु एक प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान/भवन उपयुक्त स्थल पर किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इक्छुक निविदाकार, निविदा शर्तों के अधीन तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा के बंद लिफाफे, एक बड़े लिफाफे में रख कर बंद लिफाफ दिनांक 18.06.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक सी.एस.एन.सी.एल. जिला-बालोद में जमा कर सकेगें। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी निविदा उसी दिन सायं 04:00 बजें निविदा मूल्यांकन हेतु गठित समिति के समक्ष खोला जावेगा।

निविदा के नियम / शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र, जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी. एल. जिला-बालोद के पक्ष में देय राशि रु 1180/- (अक्षरी एक हजार एक सौ अस्सी रू.) (जी.एस.टी.सहित) का बैंक ड्राफ्ट (किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी) जमा कर कार्यालयीन कार्यदिवस में कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला-बालोद से प्राप्त किया जा सकता है।

(कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित)

जिला आक्कारी अधिकारी
हेतु कलेक्टर
जिला-बालोद (छ ग.)

जी-252601353/3

संक्षिप्त-खबर

मनाली हाईक के लिए स्काउटर गाईडर रवाना

यात्रा मे पिथौरा से 25लोग हुए रवाना

पिथौरा (समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, विकासखंड पिथौरा के स्काउटर गाइडर साँस्कृतिक आदान-प्रदान हाईक के लिए मनाली रवाना हुए। इस यात्रा में पिथौरा विकासखण्ड के 25 स्काउट गाईडर मनाली के लिए रवाना हुए । हाईक में जाने वाले स्काउटर गाईडर को विधायक जनसपर्क कार्यालय पिथौरा से संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल तिवारी, रविंदर आज़मानी, एफ़ए नंद, आर के पुरोहित, रामकुमार नायक, राजीव तिवारी, दिलीप निषाद सहित वरिष्ठ शिक्षकों ने सफल यात्रा की शुभकामनाए देते हुवे पुष्प गुच्छ भेंट कर सुरक्षा की दृष्टि से सभी को मास्क प्रदान कर यात्रा के दौरान भी सुरक्षा के सारे उपायों का पालन करने की अपील पदाधिकारियों ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से संतोष कुमार साहू, नरेश कुमार नायक, रोहिणी देवांगन, झनेश कुमार साहू, मनोज कुमार पटेल, कमलेश दीवान, विजय सिन्हा,विजय कुमार प्रधान, दीपिका देवांगन, जानकी साहू, प्रज्ञा दीवान, ममता प्रधान, अनिता महंती उपस्थित थे।

पर्यावरण दिवस पर प्रमोद जैन ने किया वृक्षारोपण

पाटन। विश्व पर्यावरण दिवस के दिन दक्षिण पाटन के ग्राम पंचायत सुरपा में प्रमोद जैन और ग्रामीणों ने मिलकर तालाब किनारे पीपल का पेड़ लगा कर जाली तार घेरा कर सुरक्षित रखने के लिए की व्यवस्था वही स्कूल परिसर में भी वृक्षारोपण किया । साथ ही साथ प्रमोद जैन ने पर्यावरण को बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण करने के लिए जनता से की अपील । इस कार्यक्रम में प्रमोद जैन नरेंद्र धर्मगुड़ी,सौरभ सर्वा,होरीलाल यादव,गजानंद ठाकुर,हीरालाल ढीमर उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर धौराभाठा में किया गया पौधारोपण

पाटन। ग्राम पंचायत धौराभाठा में आज विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। अवसर पर पौधरोपण किया गया। इसके बाद जल बचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत धौराभाठा के सरपंच विनय चन्द्राकार, पंकज चन्द्राकार, कीर्ति यादव,रोजगार साहिका प्रतिभा साहू मुकेश चौरसिया , मनीष कुमार,नारद साहू और अन्य उपस्थित थे

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम बोहारडीह में ब्लाक स्तरीय कार्यक्रम आयोजन

पाटन। ग्राम पंचायत माणिकचौरी अंतर्गत ग्राम बोहारडीह में ब्लाक स्तरीय विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें पाटन जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर जनपद सीईओ जागेंद्र साहू, अतिरिक्त सीईओ श्वेता यादव, मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी डालिमलता नाग जनपद सदस्य ग्राम सरपंच महेश साहू सरपंच पतोंरा भुनेश्वर साहू, सरपंच गोंडपेंड्री तोरणलाल साहू जनपद सदस्य दुलेश्वर मानकुर राम सुमेर छेदईया जनपद सदस्य ,चित्रसेन कलिहारी जनपद सदस्य फेकारी सरपंच युवगेंद्र साहू देवेश कुमार खेवर ,प्रेमलाल राजकुमार एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सांसद रूपकुमारी चौधरी ने किया वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पीएमश्री बसना में 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम तहत वृक्षारोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी शामिल हुए। उनके द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि, आज

सम्पूर्ण जगत मे जलवायु अनुकूल नहीं है। वाटर लेबल दिनोंदिन गिरता जा रहा है। गर्मी बढ़ती जा रही है। वर्षा पहले से कम हो रहा है। हमारे अन्नदाता चिंतित हैं ।

इन सबका एक ही उपाय है कि,हम सब मालकर वृक्षारोपण करें और प्रकृति के संतुलन को बचाएँ । पौधारोपण कर उस पौधे को वृक्ष बनने तक बचायेंगे,तो यही पौधा आगे चलकर हमे शुद्ध आक्सीजन व वर्षा देगी और हमारा जीवन खुशहाल होगा।

कार्यक्रम में जिलाउपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती डिलेश्वरी मिलाप निराला, विधानसभा सयोजक डॉ एन. के. अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल, जनपद सदस्य जन्म जय साव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता,वन परिक्षेत्र अधिकारी एस आर निराला, विधायक प्रतिनिधि खोलबाहरा निराला,प्राचार्यगण खिरोद्र पुरोहित ,एस के पटेल, मंडल के पदाधिकारी दीपक शर्मा, अमृत चौधरी जीतेन्द्र कश्यप ,पार्षद महेंद्र सिंह अरोरा एवं समस्त वन मंडल अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर साइकिल रैली से कलेक्टर एवं डीएफओ ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

- वन विभाग द्वारा आयोजित साइकिल रैली में सभी वर्गों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग
- फ्लदार पौधों का हुआ रोपण

महासमुन्द व्यूरो (समय दर्शन)। महासमुंद जिला मुख्यालय मे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा आज साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली सुबह 8 बजे वन विद्यालय, महासमुंद से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय तुमाडबरी तक निकाली गई ।

रैली को कलेक्टर विनय लंगेह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में वन मंडलाधिकारी मयंक पांडेय , एसडीओ वन श्री वेंकटेश , जिला रेड क्रॉस के अध्यक्ष संदीप दीवान,दाऊ लाल चंद्राकर,पार्षद राहुल आवड़े ,जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे,डीएम सी रेखराज शर्मा, प्राचार्य श्रीमती अमी रफ़्स एवं शाला के स्टाफ और बच्चे मौजूद थे।

इस रैली का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना और लोगों को प्रदूषणमुक्त परिवेश की ओर प्रेरित करना था।

शाला में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आज जिस गति से पर्यावरण का क्षरण हो रहा है, उसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। साइकिल

चलाना केवल एक साधन नहीं, बल्कि एक संदेश है—हम प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं और उसे बचाना हमारी ज़िम्मेदारी है। दैनिक जीवन में पानी बचाने को लेकर हमें सजग रहना होगा।

वनमंडलाधिकारी मयंक पांडेय ने संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। पौधारोपण, प्लास्टिक का परहेज, और साइकिल जैसे स्वच्छ यातायात के साधनों को अपनाकर हम सभी एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। वन और जल हमारे पर्यावरण के महत्वपूर्ण अंग है। इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आओ सब मिलकर इन्हें बचाए।

साइकिल रैली में बच्चों, युवाओं, नागरिकों, स्कूली छात्रों, सामाजिक संगठनों, एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित समाज के सभी वर्गों की भागीदारी रही। शहर में यह रैली पर्यावरण जागरूकता का संदेश लेकर गुज़री।

रैली के समापन पर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय तुमाडबरी में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कलेक्टर एवं अतिथियों ने फ्लदार पौधे जैसे आम, अमरूद, नींबू आदि के पौधे लगाए गए। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विद्यालय परिसर साल्हेझरिया मे वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून दिन गुरूवार को शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय साल्हेझरिया में शाला परिसर में शिक्षकों तथा इको क्लब की सक्रिय विद्यार्थियों एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के फूलदार फ्लदार ,छायादार तथा औषधि पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर प्र प्रधान पाठक सुश्री अन्नपूर्णा बुड़ेक ने कहा कि, शासन प्रशासन के दिशा निर्देश के साथ हम अपने व्यक्तिगत जीवन मे भी हम सबको मिलकर हमारे और प्रकृति के बीच खोए हुए बैलेंस को फ़िर से स्थापित किए जाने हेतु कम से कम एक पेड़ माँ के नाम पर लगाकर अपने कर्तव्य का पालन अवश्य करें। और उसे बचायें भी। जिस प्रकार मां अपने बच्चे का लालन पालन करती है ठीक वैसे ही हम सब वृक्षारोपण के बाद उसकी रक्षा कर उसे बड़ा करें ।उसमे आवश्यक खाद पानी दें। ताकि पर्यावरण समस्या दूर हो और हमें स्वच्छ वातावरण में शुद्ध वायु, जल जीवन

और जो असंतुलन बना हुआ है उससे बच सके।इस दौरान सभी से अनुरोध किया गया कि सभी यथासम्भव पौधा रोपण करें एवं उपहार में भी सबको पौधा दें। अपनी जिम्मेदारी निभाने से आत्म संतुष्टि भी होगी । इस साल विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय मनाया जा रहा है जब देश समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए वैश्विक संधि हासिल करने की दिशा में प्रगति कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अटल नगर वेलफेयर एसोसिएशन सोसाइटी नवा रायपुर में वृहद वृक्षारोपण, शिवालय परिसर हुआ हरा-भरा

- फलदार व औषधीय पौधों के रोपण से क्षेत्र में जागरूकता और हरियाली को मिला बढ़ावा

रायपुर(समय दर्शन)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज नवा रायपुर अटल नगर वेलफेयर एसोसिएशन सोसाइटी द्वारा सेक्टर 27 स्थित शिवालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। सोसायटी के सूरज दुबे के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और क्षेत्र को अधिक हरा-भरा बनाना रहा। शिवालय परिसर में 1001 पौधों का रोपण किया।

कार्यक्रम में सोसाइटी के सदस्यों सहित स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी आयु वर्ग के लोगों बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाए। इस अवसर पर खासतौर पर फ्लदार और औषधीय पौधों का चयन किया गया, जिनमें आम, अनार, कटहल, सीताफ्ल, आंवला, अमरूद, पपीता, मुनगा, बादाम, जामुन, गंगा इमली और गुड़हल (जसवंत) जैसे पौधे शामिल थे।

सूरज दुबे ने बताया, आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में हमने यह वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया है ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण दे सकें। हमने जानबूझकर ऐसे पौधों का चयन किया है, जिनका भविष्य में स्वास्थ्य और पोषण दोनों दृष्टियों से लाभ मिल सके। शिवालय परिसर में हुए इस सामूहिक वृक्षारोपण ने न केवल क्षेत्र की हरियाली में इज़ाफ़ा किया, बल्कि समुदाय में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना को भी बल दिया। बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा और वृक्षों के महत्व को समझाने के लिए यह अवसर बेहद उपयोगी सिद्ध हुआ। स्थानीय लोगों ने नवा रायपुर अटल नगर वेलफेयर एसोसिएशन की इस पहल की सराहना की और ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

जवाहर वर्मा ने विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री का जताया आभार

पाटन (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पाटन विधायक भूपेश बघेल ने पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग को अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है।जवाहर वर्मा को जनपद पंचायत पाटन की जिम्मेदारी दी गई है।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने की सूचना कलेक्टर दुर्ग,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग को प्रेषित की है।जवाहर वर्मा ने विधायक प्रतिनिधि नियुक्त की नवीन दायित्व के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर,पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा का आभार जताया है। साथ ही अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए भूपेश बघेल एवं कांग्रेस पार्टी को लगातार मजबूती प्रदान करने का कार्य हम सभी साथ मिलकर करते रहेंगे।श्री वर्मा की नियुक्ति पर शंकर बघेल,कौशल चंद्राकर,अजय तिवारी,अशोक साहू ,अश्वनी साहू,देवेंद्र चंद्रवंशी सदस्य जिप,नोमिन ठाकुर सदस्य जिप,दिनेश साहू जनपद सदस्य,रश्मि भेदप्रकाश वर्मा,अजय साहू,उर्वशी वर्मा,भूपेंद्र कश्यप,पुरुषोत्तम कश्यप,उमाकांत चंद्राकर,रूपेंद्र शुक्ला महामंत्री,तरुण बिजौर,संतराम कुर्रे,युगल किशोर आडील,किशन हिरवानी, अजय राजपुत बल्लु राय खिलेश मारकंडे त्रिभुवन यदु रवि पटेल राकेश साहू संजय यादव धनंजय साहू करण धनकर मन्नु यदु देवला साहू भुनेश्वरी साहू करण साहू,गोपेश साहू,नीरज सोनी,गोपाल देवांगन सहित कांग्रेस संगठन,जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और समावेशी बनाने युक्तियुक्तकरण पर कलेक्टर ने ली प्रेस वार्ता

- जिले में अब एक भी शाला शिक्षक विहीन नहीं और न ही एकल शिक्षकीय हैं - कलेक्टर
- 700 अतिशेष शिक्षकों का किया गया युक्तियुक्तकरण
- एक ही परिसर में स्थित विद्यालयों को समाहित कर क्लस्टर मॉडल विकसित किया जा रहा है

महासमुन्द (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा विद्यालयीन शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित, बेहतर और समावेशी बनाने शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण की कार्रवाई की जा रही है। इसी संबंध में आज कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन अपराह्न 3.30 बजे किया गया। प्रेस वार्ता में जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कलेक्टर श्री लंगेह ने प्रेस वार्ता में बताया कि

शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण का उद्देश्य शालाओं में शिक्षकों की उपलब्धता को संतुलित करना है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इस प्रक्रिया के तहत ऐसे विद्यालयों की पहचान की जा रही है, जहां शिक्षकों की संख्या अधिक है, और उन्हें उन विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा जहां शिक्षकों की कमी है। इस प्रकार युक्तियुक्तकरण के माध्यम से छात्र-शिक्षक अनुपात स्कूलों में संतुलित हो, यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री लंगेह ने बताया कि जिले में प्राथमिक स्तर पर छात्र-शिक्षक अनुपात 20:78 बच्चे प्रति शिक्षक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में 21:19 बच्चे प्रति शिक्षक है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। उन्होंने बताया कि जिले में 15 प्राथमिक शालाएं शिक्षक विहीन एवं 316 शालाएं एकल शिक्षकीय थे। वहीं 01 पूर्व माध्यमिक शाला शिक्षक विहीन और 01 एकल शिक्षकीय था। कलेक्टर ने बताया कि जिले में प्राथमिक स्कूलों में 535 शिक्षक और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में 272 शिक्षकों की आवश्यकता थी। जिसमें से 700 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। जिले में प्राथमिक शालाओं में 444 एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में 146 शिक्षक अतिशेष था और हाई/हायर सेकेण्डरी से 110 अतिशेष व्याख्याता एवं सहायक शिक्षक विज्ञान कुल 700 अतिशेष शिक्षक संवर्ग को समायोजित किया गया। इस तरह जिले में 09 शालाओं का समायोजन किया गया है, जबकि 1957 स्कूलों में 1948 से स्कूल यथावत संचालित होंगे। कलेक्टर ने बताया कि, अब जिले में एक भी शाला शिक्षक विहीन नहीं है और न ही एकल शिक्षकीय है। उल्लेखनीय है कि जिले में 01 एवं 02 जून को युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से पूर्ण किया गया था। सभी शिक्षकों को पदस्थापना आदेश दे दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि एक ही परिसर में स्थित विद्यालयों को समाहित कर क्लस्टर मॉडल विकसित किया जा रहा है। युक्तियुक्तकरण से लगभग 90 प्रतिशत बच्चों को तीन बार प्रवेश प्रक्रिया मुक्ति मिलेगी और बच्चों को पढ़ाई में गुणवत्ता के साथ ही निरंतरता भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से नियमों एवं शैक्षणिक आवश्यकता के अनुसार की गई है, साथ ही यह भी आश्वस्त किया गया कि समायोजन करते समय विषय विशेषज्ञ, सेवा काल एवं प्राथमिकता का भी ध्यान रखा गया है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27